11

सहायक कार्यक्रम

सहायक कार्यक्रम

11.1 सूचना और जनजागरुकता कार्यक्रम

11.1.1 भारत अक्षय ऊर्जा क्षमता के मामले में विश्व के पांच शीर्ष देशों में शामिल है। मंत्रालय ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न नीतियां और कार्यक्रम कार्यान्वित किए है। सौर एवं पवन विद्युत के विक्रय के लिए इंटर–स्टेट पारेषण शुल्कों को समाप्त करना; अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता ट्रैजेक्ट्री; सौर एवं पवन विद्युत की खरीद के लिए प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया संबंधी दिशानिर्देश; विद्युत उत्पादन और ताप विद्युत केन्द्रों की शिड्यूलिंग में अनुकूलता; सौर कुकर कार्यक्रम; सौर–पवन हाइब्रिड नीतिय सुनिश्चित टेक–ऑफ से जुड़ा सौर पीवी विनिर्माण; अटल ज्योति योजना, सौर पीवी प्रणालियों की संस्थापना के लिए मानक कुछ प्रमुख पहलें हैं। आम लोगों को इन सभी पहलों का लाभ और अक्षय ऊर्जा का उपयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सूचना प्रसार और प्रचार आवश्यक है। इस पृष्ठभूमि में अक्षय ऊर्जा के लिए सूचना और जनजागरुकता कार्यक्रमों की संकल्पना तैयार की गई है और इन्हें कार्यान्वयन हेतु विकसित किया गया है।

11.1.2 यह कार्यक्रम मौजूदा सरकारी माध्यमों नामतः (i) विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी) (ii) राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) (iii) दूरदर्शन (iv) आकाशवाणी (एआईआर) (v) गायन और नाट्य प्रभाग (vi) अक्षय ऊर्जा के लिए राज्य नोडल विभाग/एजेंसियों और (vii) गैर सरकारी संगठनों/शैक्षिक संस्थान आदि उपयोग तथा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय महत्व की प्रदर्शनियों में भाग लेकर और अन्य संबंधित संस्थानों/संगठनों के माध्यम से भी कार्यान्वित किया जाता है। यह कार्यक्रम अपने तीन संस्थानों अर्थात् नाइस, नीवे और एसएसएस–नीबे तथा दो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों अर्थात् इरेडा और सेकी के माध्यम से भी सूचना और जागरुकता का प्रसार कर रहा है।

11.1.3 वर्ष के दौरान अक्षय ऊर्जा के लिए मीडिया रणनीति के समग्र ढांचे के अंतर्गत निम्नलिखित सूचना एवं जनजागरुकता कार्यकलापों का विकास और कार्यान्वयन किया गयाः–

i. नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे के सहयोग से 2 अक्टूबर, 2019 को इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर मेन एरिना, नई दिल्ली में ग्लोबल सोलर एंबेसडर कार्यशाला का आयोजन

श्री राजकुमार सिंह, विद्युत, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री द्वारा 02 अक्तूबर, 2019 की इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ग्लोबल स्टूडेंट सोलर एसेंबली, जहाँ छात्रों ने अपने स्वयं के सोलर स्टडी लैम्प को असेंबल कर उनको एक साथ जलाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, को संबोधित करते हुए

किया गया, जिसमें 10000 विद्यार्थियों को अपने स्वयं के सोलर स्टडी लैंप का असेंबल करने का प्रशिक्षण देकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण के प्रति अहिंसा दर्शाने एवं अक्षय ऊर्जा को अपनाने का संकल्प लिया। इसके लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और आउटडोर मीडिया के माध्यम से व्यापक स्तक पर प्रचार–प्रसार किया गया।

ii. अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की दिनांक 30 और 31 अक्टूबर, 2019 को नई दिल्ली में आयोजित दूसरी सभा का इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रचार–प्रसार किया गया।

iii. मंत्रालय द्वारा देश भर में अक्षय ऊर्जा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक लघु वीडियो फिल्म प्रतियोगिता रखी गई।

iv. मंत्रालय का द्विमासिक न्यूज लेटर "अक्षय ऊर्जा" का अंग्रेजी और हिन्दी में प्रकाशन जारी रहा।

v. अक्षय ऊर्जा पर विभिन्न कार्यक्रमों/प्रदर्शनियों के लिए विभिन्न संगठनों को लोगो सहायता प्रदान की गई।

vi. मंत्रालय के तीन संस्थानों और दो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के माध्यम से सोशल मीडिया पर कार्यक्रमों, योजनाओं और उपलब्धियों को नियमित रूप से पोस्ट किया जाता है।

11.2 योजना और समन्वय

(i) योजना और समन्वय प्रभाग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों, संचालित की जा रही विभिन्न नीतिगत एवं राजकोषीय सुधारों आदि से संबंधित मामलों के लिए समग्र आयोजना और समन्वयन हेतु उत्तरदायी है। इसका कार्य मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्रम प्रभागों और अन्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों जैसे– प्रधानमंत्री कार्यालय/नीति आयोग/विदेश मंत्रालय/मंत्रिमंडल सचिवालय, पीआईबी आदि तथा राज्य सरकार की एजेंसियों जैसे राज्य नोडल एजेंसियों आदि के साथ नियमित आधार पर निकट संपर्क बनाए रखना है।

(ii) प्रभाग द्वारा वर्ष 2019–20 के दौरान संचालित किए गए कार्यक्रलापों में मुख्य रूप से ग्रिड एवं ऑफ ग्रिड अक्षय विद्युत के क्षेत्र में प्राप्त की गई उपलब्धियों के लिए डेटाबेस का संकलन और नियमित रूप से अद्यतनीकरण, मंत्रालय की अनुदान मांगों से संबंधित ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति के लिए रिपोर्टें तैयार करना और जांच हेतु चयनित अन्य विशिष्ट विषय, प्रमुख उपलब्धियों/पहलों की मासिक रिपोर्ट, की गई कार्रवाई संबंधी टिप्पणियाँ और प्रधानमंत्री कार्यालय/मंत्रिमंडल सचिवालय/पीआईबी आदि के लिए मासिक अर्ध–शासकीय पत्र, विभिन्न बैठकों के लिए बहुक्षेत्रीय इनपुट/सार संक्षेप, महामहिम राष्ट्रपति/माननीय प्रधानमंत्री/माननीय वित्त मंत्री/माननीय मंत्री/सचिव के भाषणों के लिए इनपुट, वीआईपी, अन्य संदर्भों/प्रश्नावलियों/संसद प्रश्नों के उत्तर तैयार करना, विभिन्न पोर्टलों जैसे– पीएमजी, ई–समीक्षा, प्रगति आदि को अद्यतन बनाना, अन्य मंत्रालयों/विभागों से प्राप्त विभिन्न प्रारूप मंत्रिमंडल टिप्पणियों, ईएफसी/एफएससी आदि पर टिप्पणियों का समयबद्ध संकलन करना, बजट के लिए आउटपुट–आउटकम फ्रेमवर्क तैयार करना आदि शामिल हैं।

11.3 मानव संसाधन विकास

(i) एमएनआरई की मानव संसाधन विकास योजना में छात्रों/अध्येताओं को अध्येतावृत्तियाँ उपलब्ध कराकर अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास/शैक्षिक संस्थानों में उच्चतर अध्ययन/अनुसंधान पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने सहित सभी स्तरों पर मानवशक्ति के लिए प्रशिक्षण को सहायता प्रदान की जाती है। अनुसंधान एवं विकास/शैक्षिक संस्थानों को नवीन और अक्षय ऊर्जा में उच्चतर डिग्री पाठ्यक्रमों जैसे– एमएससी, एम–टेक और पीएचडी संचालित करने के लिए अपने पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं के स्तरोन्नयन के लिए भी सहायता प्रदान की जाती है। मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत वर्ष 2015 में सौर परियोजनाओं की संस्थापना, कमीशनिंग, प्रचालन और अनुरक्षण के लिए प्रशिक्षित मानवशक्ति का सृजन करने हेतु 50,000 दक्ष मानवशक्ति को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सूर्यमित्र नामक एक कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

(ii) मानव संसाधन विकास योजना के विभिन्न घटक निम्न हैं:

क. सभी स्तरों पर कौशल विकास पर बल देते हुए अक्षय ऊर्जा के विभिन्न पहलुओं पर अल्पकालिक प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए शैक्षिक और अन्य संगठनों को सहायता।

ख. सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम।

ग. फैलोशिप:

- एमएससी/एमटेक/एमई/पीएचडी/पीडीएफ डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा फैलोशिप (एनआरईएफ) योजना।
- सौर ऊर्जा में अभिनव विचार के साथ अनुसंधान संस्थानों में काम करने वाले प्रख्यात वैज्ञानिकों के लिए राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा विज्ञान फैलोशिप योजना।

घ. प्रयोगशाला उन्नयन के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों को सहायता।

ड़. विशेषज्ञों/विशेषज्ञ संस्थानों के माध्यम से पाठ्यक्रम/अध्ययन सामग्री का विकास।

च. इंटर्नशिप।

11.3.1 राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा फैलोशिप योजना

(i) राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा फैलोशिप योजना के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा फैलोशिप/वृत्तिका प्रदान करके 12 चयनित शैक्षिक संस्थानों में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में उच्चतर अध्ययन जैसे– एमएससी, एमटेक, पीएचडी पाठ्यक्रमों का अनुशीलन करने के लिए छात्रों/विद्वानों को सहायता प्रदान करना जारी रखा गया। वर्ष 2019–20 के प्रारंभ में एनआरईएफ कार्यक्रम के अंतर्गत 34 पीएचडी, 29 एम–टेक/एमई और 20 एमएससी फैलोशिप प्रदान किए जा रहे थे जिनमें से वर्ष 2019–20 में 5 अध्येताओं ने पीएचडी पूरा किया, 7 छात्रों ने एम–टेक/एमई की उपाधि प्राप्त की और 10 छात्रों ने एमएससी (अक्षय ऊर्जा) की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 2019–20 के दौरान, और 10 छात्रों ने एमएससी (अक्षय उर्जा) की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 2019–20 के दौरान, एम–टेक के लिए 28, जेआरएफ/एसआरएफ के लिए 41 और एमएससी के लिए 20 अध्येता एनआरईएफ कार्यक्रम के तहत पढ़ाई कर रहे हैं। एनआरईएफ अध्येताओं/छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में 10 शोध आलेख प्रकाशित किए जिसके अतिरिक्त संगोष्ठियों में 5 लेख प्रस्तुत किए गए जिसे मिलाकार एनआरईएफ अध्येताओं के वैज्ञानिक आउटपुट में 568 शोध आलेख तथा संगोष्ठियों में 171 आलेख और तीन पेटेंट दर्ज किए गए। सहायता प्रदत्त संस्थानों की सूची **तालिका–11.1** में दी गई है।

तालिका–11.1 : एमएनआरई द्वारा एनआरईएफ योजना के अंतर्गत 2019–20 में जिन संस्थानों को अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की गईं

क्र.सं.	जिन संस्थानों को एमएससी, एम–टेक, जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी) के लिए फैलोशिप प्रदान किए गए
1	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
2	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
3	अन्ना विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
4	पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
5	पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी
6	श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू और कश्मीर
7	जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता
8	कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोचीन
9	भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, शिवपुर, पश्चिमबंगाल
10	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
11	राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल), सीएसआईआर, नई दिल्ली
12	झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची

11.3.2 पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं का उन्नयन

वर्ष 2019–20 में प्रयोगशाला उन्नयन के लिए गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडू को सहायता प्रदान की गई। मंत्रालय द्वारा पिछले वर्ष में पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय गांधीनगर और तेजपुर विश्वविद्यालय, असम में सहायता प्रदत्त प्रयोगशाला और पुस्तकालय सुविधाओं के उन्नयन संबंधी कार्यकलाप जारी हैं।

जैव ऊर्जा प्रयोगशाला – गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान – डीम्ड विश्वविद्यालय के एम–टेक, अक्षय ऊर्जा विद्यार्थी

सौर पीवी प्रयोगशाला – गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान – डीम्ड विश्वविद्यालय के बी. वोकेशनल अक्षय ऊर्जा विद्यार्थी

सौर तापीय प्रयोगशाला – गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, डीम्ड विश्वविद्यालय के एम–टेक, अक्षय ऊर्जा विद्यार्थी

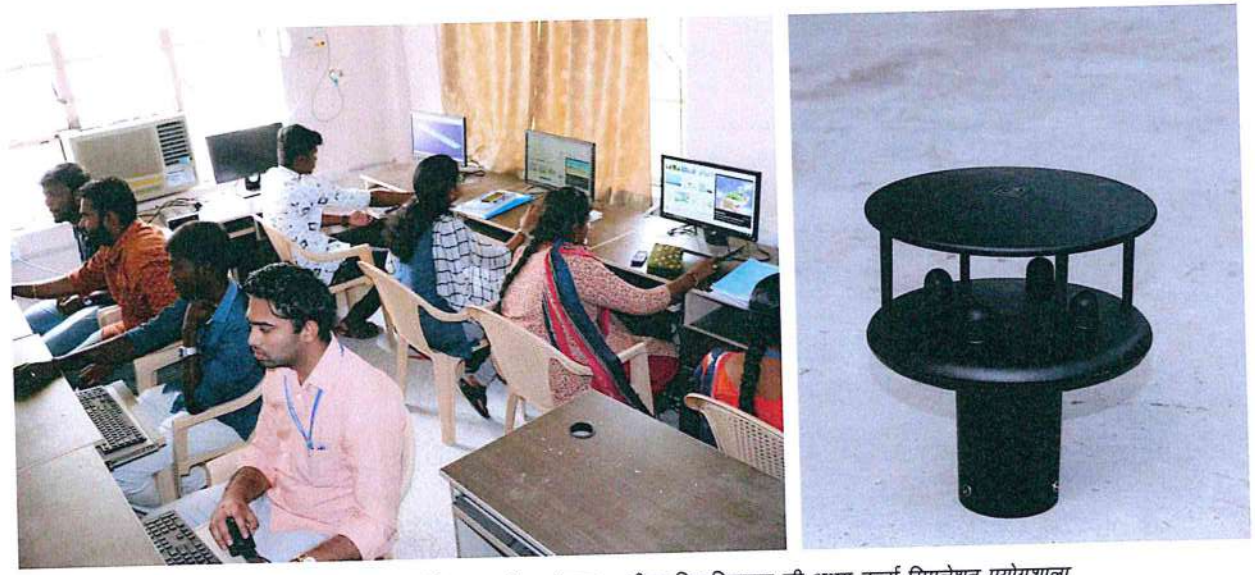

पवन ऊर्जा प्रयोगशाला – गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान – डीम्ड विश्वविद्यालय की अक्षय ऊर्जा सिमुलेशन प्रयोगशाला

11.3.3 प्रशिक्षण

11.3.4 सूर्यमित्र प्रशिक्षण

मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 तक 50,000 सूर्यमित्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और वर्ष 2019–20 में 20900 सूर्यमित्र उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित करने हेतु वर्ष 2015 में सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम आरंभ किया गया। वर्तमान वर्ष के लिए मार्च, 2018 में राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान द्वारा जारी रुचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से पैनलबद्ध किए गए देश के विभिन्न राज्यों के 223 प्रशिक्षण केन्द्रों/संगठनों के माध्यम से सूर्यमित्र प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। वर्तमान वर्ष 2019–20 के दौरान देश भर के 223 प्रशिक्षण केन्द्रों में 690 बैचों में 20700 सूर्यमित्रों को प्रशिक्षण आवंटित किया गया, जबकि वर्ष 2019–20 के लिए 20900 का लक्ष्य रखा गया था। दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक कुल 40441 सूर्यमित्रों को प्रशिक्षण दिया गया। सूर्यमित्र कार्यक्रम की राज्य–वार प्रगति **तालिका–11.2** में दर्शायी गई है।

11.3.5 राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा इंटर्नशिप योजना (एनआरईआई)

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने अक्टुबर, 2019 में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में शोध करने वाले युवाओं और छात्रों के लिए "राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा इंटर्नशिप योजना" (एनआरईआई) का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत्, एमएनआरई भारत या विदेश में मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों में नामांकित 'या विदेश मे मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों में नामांकित स्नातक/स्नातकोत्तर/स्नातकोत्तर डिग्री या अनुसंधान अध्येताओं के अधीन आने वाले छात्रों को 'इंटर्न'

देश के विभिन्न स्थलों पर सूर्यमित्र कार्यक्रमों की झलकियाँ

तालिका–11.2 : विभिन्न राज्यों में सूर्यमित्र प्रशिक्षण की प्रगति–2015–19 एवं 2019–20 (31 दिसम्बर, 2019 तक)						
क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	मार्च, 2020 तक प्रशिक्षित किए जाने हेतु सूर्यमित्रों का लक्ष्य	वर्ष 2015–2019 में प्रशिक्षित सूर्यमित्रों की संख्या	वर्ष 2019–2020 में आवंटित सूर्यमित्रों के प्रशिक्षण की संख्या		कुल सूर्यमित्रों की संख्या
				प्रशिक्षित	वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे	
1	अंडमान एवं निकोबार	100	0	0	0	0
2	आंध्र प्रदेश	2000	1308	268	146	1722
3	अरुणाचल प्रदेश	200	30	0	0	30
4	असम	2500	833	357	30	1220
5	बिहार	2500	1139	298	155	1592
6	चंडीगढ़	100	148	60	0	208
7	छत्तीसगढ़	2000	1227	409	117	1753
8	दादरा और नगर हवेली	10	0	0	0	0
9	दमन एवं दीव	10	0	0	0	0
10	दिल्ली	500	432	180	0	612
11	गोवा	400	174	60	30	264
12	गुजरात	2000	2136	530	150	2816
13	हरियाणा	1000	937	330	90	1357
14	हिमाचल प्रदेश	500	324	90	0	414
15	जम्मू और कश्मीर	700	244	60	30	334
16	झारखंड	2000	517	179	0	696
17	कर्नाटक	2500	1371	256	0	1627
18	केरल	2000	495	120	60	675
19	लक्षद्वीप	100	30	0	0	30
20	मध्य प्रदेश	4000	2522	882	208	3612
21	महाराष्ट्र	4000	2933	686	313	3932
22	मणिपुर	500	150	0	0	150
23	मेघालय	250	0	0	0	0
24	मिजोरम	200	0	0	0	0
25	नागालैंड	200	60	0	0	60
26	ओडिशा	2500	1766	240	30	2036
27	पुडुचेरी	50	62	0	0	62
28	पंजाब	2000	323	30	0	353
29	राजस्थान	2500	2006	706	120	2832
30	सिक्किम	200	0	0	0	0
31	तमिलनाडु	2500	2142	687	242	3071
32	तेलंगाना	2000	1914	698	258	2870
33	त्रिपुरा	250	148	30	0	178
34	उत्तर प्रदेश	5000	2608	862	222	3692
35	उत्तराखंड	500	680	176	30	886
36	पश्चिम बंगाल	2500	2433	1155	66	3654
कुल		**50270**	**31092**	**9349**	**2297**	**42738**
दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक कुल प्रशिक्षण		–	**40441**	–	–	

के रूप में इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करेगा। राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, गैर–सरकारी संस्थानों/संगठनों में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत या विदेश से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट/लॉ/साइंस स्ट्रीम (फिजिक्स/केमिस्ट्री/अक्षय ऊर्जा/ऊर्जा/बायोटेक्नोलॉजी/बायोलोजिकल साइंस/पर्यावरण विज्ञान इत्यादि) में ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स करने वाले छात्र इस योजना के तहत पात्र होंगे। इंटर्नशिप अवैतनिक आधार पर होगी। इंटर्न को कोई भी वेतन देय नही होगा। यह एमएनआरई की आवश्यकता के अनुसार पूरे वर्ष भर उपलब्ध रहेगा और आवेदन ऑनलाइन माध्यम से आमंत्रित किए जाते हैं। मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष के लिए अधिकतम 40 इंटर्न को इंटर्नशिप प्रदान की जाएगी जिसमें अधिकतम 20 इंटर्न एक समय पर होंगे। विस्तृत दिशानिर्देश एवं आवेदन लिंक मंत्रालय की वेबसाइट www.mnre.gov.in से प्राप्त किए जा सकते है। एमएनआरई द्वारा पात्र उम्मीदवारों के लिए आवेदन मांगनें के साथ 29 नवम्बर, 2019 से योजना के तहत् इंटर्नशिप के लिए पंजीकरण औपचारिक रूप से आमंत्रित किए गए थे। इस योजना का उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुआ है जिसके अन्तर्गत दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक एमएनआरई के लिए 156, नीवे के लिए 53, नाइस के लिए 38, सेकी के लिए 13, नीबे के लिए 9 और इरेडा के लिए 17 आवेदन प्राप्त हुए। इंटर्नशिप के एप्लीकेशनों को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

11.4 प्रशासन–ई–गवर्नेंस, सतर्कता, पुस्तकालय, सूचना का अधिकार

11.4.1 ई–गवर्नेंस (एनआईसी)

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र भारत सरकार के आईटी का आधार है। एनआईसी ने सामाजिक और सार्वजनिक प्रशासन में आईटीसी अनुप्रयोगों को लागू करके "इंफॉर्मेटिक्स–एलईडी–डेवलपमेंट" का आरंभ किया और सरकार (जी2जी), व्यवसाय (जी2बी), नागरिक (जी2सी) और सरकारी कर्मचारी (जी2ई) तक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से डिलीवरी की सुविधा प्रदान की है। एनआईसी, अपने आईसीटी नेटवर्क, "एनआईसी नेट" के माध्यम से, केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के सभी मंत्रालयों/विभागों के साथ संस्थागत संबंध रखता है।

11.4.2 सौर रूफटॉप संस्थापन (https://solarrooftop.gov.in स्पिन)

सौर रूफटॉप पीएमओ की निगरानी वाली योजनाओं में से एक है। एनआईसी ने स्पिन (https://solarrooftop.gov.in) नामक एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। स्पिन का मूल उद्देश्य सारे देश में सौर रूफटॉप की स्थापना की निगरानी करना है। इस एप्लीकेशन के हितधारकों में राज्य नोडल एजेंसियों/सेकी, डेवलपर्स, जनरल पब्लिक और एमएनआरई के अधिकारी शामिल है। इस एप्लीकेशन के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाते है, अनुमोदन और परियोजना को पूरी रिपोर्ट भेजी जाती है और सब्सिडी को जारी करना भी पूरी तरह से ऑनलाइन होता है।

11.4.3 स्पिन की कुछ विशेषताएं

नई तकनीक के साथ स्पिन का नया संस्करण लांच किया जाना है।

1. 10 नए राज्यों के पोर्टल को स्पिन के साथ जोड़ा गया है, अन्य 12 राज्यों को जोड़ा जा रहा है। जो राज्य स्पिन के साथ अपना डेटा शेयर करेगा और दोहरी प्रविष्टी से बचने में मदद करेगा, तब स्पिन पोर्टल में प्रवेश के समय स्वतः ही स्पिन पोर्टल में दिखाई देगा।
2. दर्पण और डीबीटी पोर्टल के साथ एकीकरण।
3. स्पिन के माध्यम से रूफटॉप संस्थापना की पेपरलेस निगरानी।
4. एसएनए, पिएसयू के प्रस्तावों, मंजूरियों, लक्ष्यों का प्रबंधन।
5. एनआईसी के ई–मेल और एसएमएस के माध्यम से हितधारकों के साथ संपर्क।
6. इस वर्ष हमने कई और एमआईएस रिपोर्ट तैयार की है।

11.4.4 मंत्रालय की वेबसाइट (http://mnre.gov.in)

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की वेबसाइट को नवीनतम आईसीटी उपकरणों का उपयोग करके आंतरिक रूप से डिजाइन किया गया है। इस साइट का अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। यह भारत सरकार की अत्यधिक देखी जाने वाली वेबसाइट है।

11.4.5 ई–ऑफिस

यह एक वेब आधारित प्रणाली है जो मंत्रालय में फाइलों और आवतियों के संचालन की कारगर रूप से ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए कार्यान्वित और अनुरक्षित की गई है। ई–ऑफिस का उद्देश्य अधिक कारगर तथा पारदर्शी इंटर एवं इंट्रा–सरकारी प्रक्रियाओं को उपयोग में लाना है। ई–ऑफिस का विजन सभी सरकारी कार्यालयों में एक सरल, जवाबदेह, कारगर और पारदर्शी कार्यप्रणाली हासिल करना है। एनआईसी का ई–ऑफिस एक ओपर आर्किटेक्चर फ्रेमवर्क पर आधारित है जो सरकार की गतिशील आवश्यकताओं को उन्नत करने और उन्हें पूरा करने के लिए अनुकूल है। ई–ऑफिस सभी सरकारी कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यान्वित किया जा रहा है। मंत्रालय में ई–ऑफिस जून, 2016 के दौरान आरंभ किया गया और दिसम्बर, 2019 के अंत तक लगभग 14,050 फाइलों और 1,28,015 आवतियाँ दर्ज की गई। एमएनआरई में ई–ऑफिस का कार्यान्वयन 100 प्रतिशत रहा है।

11.4.6 ईएचआरएमएस

"मानव संपदा" अनुप्रयोग निगरानी, नियोजन, भर्ती, पोस्टिंग, पदोन्नति, स्थानांतरण, सेवा विवरणों का रखरखाव इत्यादि जैसी कार्मिक प्रबंधन गतिविधियों के लिए एक सामान्य एप्लिकेशन टूल है। यह एनआईसी द्वारा विकसित, रखरखाव और होस्ट किया गया है और http://ehrms.gov.in पर उपलब्ध है। यह जी से ई एप्लिकेशन है। इस वर्ष अवकाश मॉड्यूल लागू किया गया है और सेवा पुस्तिका (सर्विस बुक) भाग के लिए अभी प्रक्रिया चल रही है।

11.4.7 सौर तापीय/प्रकाशवोल्टीय प्रणालियों के लिए सीमा–शुल्क में छूट

(i) मंत्रालय विभिन्न विकासकर्त्ताओं के लिए विभिन्न शर्तों के आधार पर सीमा–शुल्क में छूट और उत्पाद शुल्क में छूट जारी कर रहा है। मंत्रालय को समूचे देश में स्थित और प्रकाशवोल्टीय/सौर तापीय परियोजनाओं के लिए रियायती सीमा–शुल्क और उत्पाद शुल्क प्रमाणपत्र जारी करने में सहायता करने के लिए सीसीएमएस नामक एक ऑनलाइन प्रणाली का डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन किया गया है।

(ii) इस वर्ष एक नया डोमेन अर्थात् scms.gov.in क्लाउड पर पंजीकृत और होस्ट किया गया है। 2017 में इसकी शुरुआत के बाद से अब तक लगभग 31790 प्रमाणपत्रों को मंजूरी दी गई।

11.4.8 अक्षय ऊर्जा (आरई) पोर्टल (http://akshayurja.gov.in)

अक्षय ऊर्जा पोर्टल को ग्रिड संबद्ध और ऑफ ग्रिड सहित प्रत्येक ऊर्जा के लिए उपलब्ध समग्र क्षमता, कुल क्षमता वृद्धि और मासिक उत्पादन के प्रदर्शन के लिए विकसित किया गया है। इन आंकड़ों को राज्य–वार प्रदर्शित किया जाता है। यह पोर्टल मंत्रालय की भौतिक उपलब्धियों की समग्र तस्वीर पेश करता है। सीईए से उत्पादन डेटा और पी एंड सी प्रभाग से क्षमता संवर्धन डेटा एकत्र करके इस पोर्टल का हर महीने अद्यतन किया जाता है।

11.4.9 गतिविधि निगरानी डैशबोर्ड (http://pams-mnre.gov.in)

गतिविधि निगरानी डैशबोर्ड मंत्रालय और स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की वर्तमान गतिविधियों की गहन निगरानी के लिए विकसित किया गया है। इस पोर्टल में, जिम्मेदार अधिकारी सहित प्रमुख गतिविधियों और उनकी उप गतिविधियों तथा उन्हें चालू करने की संभावित तिथि को दर्ज किया जाता है और फिर गतिविधियों की प्रगति के अनुसार संबंधित अधिकारियों द्वारा लॉगिन आईडी का उपयोग करके टिप्पणियों को दर्ज किया जाता है।

11.4.10 भारतीय अक्षय ऊर्जा विचार विनिमय (http://irix.gov.in)

आईआरआईएक्स अक्षय ऊर्जा पर विचारों का आदान–प्रदान करने और उत्प्रेरित करने के लिए एक बहु–हितधारक सहयोगी मंच है। इस मंच का लक्ष्य अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को प्रतिपादित करने के लिए उद्योग के विशेषज्ञों, अक्षय ऊर्जा समुदाय, उद्यमियों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाना है। यह ऊर्जा के प्रति जागरूक भारतीयों और वैश्विक प्रवासियों के बीच विचारों के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक माध्यम प्रदान करेगा जिसके आगे चलकर व्यावहारिक ज्ञान का विस्तार होगा और भारत में अक्षय ऊर्जा के विकास को सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

11.4.11 इंटर्नशिप कार्यक्रम

एमएनआरई में मानव संसाधन प्रभाग के लिए एक नया पोर्टल विकसित करने की प्रक्रिया चल रही है। इस वर्ष मंत्रालय ने मुख्य रूप से छात्रों के लिए इंटर्नशिप नामक एक नई योजना शुरू की है। एचआरडी पोर्टल के एक भाग के रूप में इंटर्नशिप फॉर्म जमा करना शुरू किया गया है। जल्द ही पूरा पोर्टल चालू हो जाएगा।

11.4.12 रियायती सीमा–शुल्क छूट प्रमाणपत्र (सीसीडीसी)

पवन ऊर्जा टरबाइन और इसके घटकों के स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार मान्यता प्राप्त निर्माताओं को सीसीडीसी प्रमाणपत्र जारी करता है। पवन टरबाइन और घटकों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय की आरएलएमएम सूची में पैनलबद्ध टाइप सर्टिफाइड पवन ऊर्जा टरबाइन के लिए ही सीसीडीसी जारी करने पर विचार किया जाता है। इसके अलावा, आयातित पुर्जों/घटकों के डिजाइन/आपूर्ति के लिए केवल मान्य टाइप प्रमाण पत्र के अनुसार अनुपालन की जाती है। http://ccdcwind.gov.in नामक अनुप्रयोग विकसित और होस्ट किया गया है और सभी हितधारकों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

11.4.13 सतर्कता

(i) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सतर्कता प्रभाग को भारत सरकार और केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी विभिन्न नियमों, दिशानिर्देशों और अनुदेशों के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक उपाय करने का दायित्व सौंपा गया है। मंत्रालय का सतर्कता एकक मंत्रालय और इसके तीन स्वायत्त निकायों, नामतः राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस), राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे) और राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान (नीबे) के सतर्कता कार्यों की देखरेख करता है। इस प्रभाग को मंत्रालय के अधिकारियों की वार्षिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) और अचल संपत्ति विवरणी (आईपीआर) के रखरखाव का दायित्व सौंपा गया है।

(ii) वर्ष 2019 के दौरान सतर्कता प्रभाग में प्राप्त शिकायतों की नियमों आदि दिशानिर्देशों के अनुसार जांच की गई और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की गई।

(iii) मंत्रालय में दिनांक 28 अक्तूबर, 2019 से 02 नवम्बर, 2019 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के भाग के रूप में निम्नलिखित कार्यकलाप संचालित किए गएः–

क. विशेष सचिव, एमएनआरई द्वारा सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाना।

ख. मंत्रालय के अधिकारियों के लिए निवारक सतर्कता पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।

ग. मंत्रालय के अधिकारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

घ. मंत्रालय के परिसर में भ्रष्टाचार निवारण और निवारक सतर्कता पर बैनरों में नारे चिपकाए गए।

ङ. सतर्कता मामलों पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(iv) निवारक सतर्कता के भाग के रूप में मंत्रालय के संवेदनशील और गैर–संवदेनशील पदों की एक सूची तैयार की गई है और मंत्रालय के प्रशासन प्रभाग को तैनातियों में रोटेशन नीति अपनाने हेतु प्रेरित किया गया है।

(v) इस मंत्रालय और इसके स्वायत्त संगठनों के संबंध में सत्यनिष्ठा संबंधी मामले अपलोड किए गए और बोर्ड स्तर के अधिकारियों के संबंध में सतर्कता संबंधी जानकारी को ई–पोर्टल सॉल्व (एसओएलवीई) पर मासिक रूप से अद्यतित किया जाता है। इस मंत्रालय के अधिकारियों की भी नियमानुसार 56(जे) के तहत लगातार समीक्षा भी की जाती है।

11.4.14 पुस्तकालय

(i) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का पुस्तकालय अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में संदर्भ केन्द्र और ज्ञान भंडार के रूप में कार्य करता है। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग 15,378 पुस्तकें (उपहार में प्राप्त पुस्तकों सहित) उपलब्ध हैं जिनमें अक्षय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक विज्ञान, धारणीय विकास, इतिहास, समाजशास्त्र, भारतीय साहित्य, कंप्यूटर विज्ञान आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों की पुस्तकें शामिल हैं। पुस्तकालय के संग्रह में आम रुचि की पुस्तकें जैसे– खाद्य पदार्थ, रसोई, मूर्ति कला, पेंटिंग, पर्वतारोहण आदि भी शामिल हैं।

(ii) मंत्रालय में गठित पुस्तकालय समिति पुस्तकों की संवीक्षा करती है और पुस्तकालय द्वारा खरीद हेतु इनकी संस्तुति करती है। वर्तमान में इस समिति ने लगभग 60 हिन्दी पुस्तकें, 90 प्रशासनिक पुस्तकें, 20 सामान्य और तकनीकी पुस्तकें पुस्ताकलय में खरीदने हेतु अपनी स्वीकृति दे दी है, जो 31 मार्च, 2020 से पहले खरीदी जाएगी।

(iii) वर्तमान में पुस्तकालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में 40 पाक्षिक पत्रिकाएं खरीदी जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय द्वारा आवश्यकतानुसार हिन्दी और अंग्रेजी में कुल 24 समाचार पत्र भी खरीद जा रहे हैं। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्त्ताओं के बीच समाचार पत्रों की कतरनों के माध्यम से नवीनतम जानकारी भी उपलब्ध करा रहा है।

11.4.15 सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

(i) मंत्रालय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), केन्द्रीय सूचना आयोग और गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन कर रहा है। आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत जानकारी प्राप्त करने संबंधी प्रक्रिया/अन्य विवरण एमएनआरई वेबसाइट www.mnre.gov.in पर उपलब्ध है।

(ii) मंत्रालय ने आवंटित किए गए विषय के अनुसार आरटीआई आवेदनों और प्रथम अपील का उत्तर देने के लिए केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) और प्रथम अपील अधिकारी (एफएएए) नियुक्त किए हैं। सीपीआईओ और प्रथम अपील अधिकारियों की सूची **तालिका–11.3** में दी गई है। मंत्रालय का आरटीआई एकक जो सुश्री अलका जोशी, उप सचिव के अधीन कार्य करता है, द्वारा सभी वास्तविक और ऑनलाइन आवेदनों का समन्वय किया जाता है और केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों और प्रथम अपील अधिकारियों से जहां तक संभव हो, निर्धारित समयावधि के भीतर उनका उत्तर देने का अनुरोध करता है।

(iii) अवधि के दौरान (01.01.2019 – 31.12.2019) प्राप्त किए गए, निपटाए गए तथा लंबित आरटीआई आवेदनों/प्रथम अपीलों से संबंधित प्रगति रिपोर्ट **तालिका–11.4** में दी गई है।

तालिका–11.3 : कार्य के पुनरावंटन के आधार पर नामित केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों (सीपीआईओ) और अपील अधिकारियों की सूची (11.10.2019 की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	विषय	सीपीआईओ	अपील अधिकारी
1	स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) सहित जलवायु परिवर्तन संबंधी पहलें, अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता (आरपीओ) संबंधी मामले, आरईसी नीति, आईएनएसपीए, एनसीईएफ, हाइड्रोजन, ईंधन सेल, और आईआरईपी, विद्युत वाहन और नेशनल बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रिक मोबाइलिटी, नवीन प्रौद्योगिकी, सूचना और जनजागरुकता के विशिष्ट संदर्भ और अक्षय ऊर्जा नीति एवं विनियम।	श्री दीपेश फेरवानी, वैज्ञानिक 'बी'	डॉ. पी.सी. मैथानी, वैज्ञानिक 'जी'
2	योजना और समन्वय	श्री अनुभव उप्पल, वैज्ञानिक 'बी'	डॉ. पंकज सक्सेना वैज्ञानिक 'एफ'
3	हरित ऊर्जा कॉरिडोर, भूतापीय, सागरीय/ज्वारीय ऊर्जा	श्री रोहित ठकवानी वैज्ञानिक 'बी'	श्री गिरीश कुमार वैज्ञानिक 'ई'
4	सूचना प्रौद्योगिकी, पुनः पोर्टल का विकास	श्री विक्रम ढाका, वैज्ञानिक 'बी'	श्री भानु प्रताप यादव, संयुक्त सचिव
5	सौर तापीय ग्रुप–सौर संकेन्द्रक और सौर कुकर	श्री अरविन्द एमए, वैज्ञानिक–बी	श्री जे.के. जेठानी, वैज्ञानिक 'ई'
6	एनटीपीसी–बंडलिंग योजना, एनटीपीसी–ईपीसी योजना, सौर शहर कार्यक्रम, ग्रीन बिल्डिंग	श्री अरविंद एमए, वैज्ञानिक 'बी'	श्री ए. नरवाने, वैज्ञानिक 'ई'
7	बायोमास विद्युत योजनाएं और नीतियां, जैव ऊर्जा मिशन, बायोमास गैसीफायर, कुक स्टोव	सुश्री प्रिया, वैज्ञानिक 'बी'	श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव
8	अपशिष्ट से ऊर्जा	श्री विजय कुमार भारती, वैज्ञानिक 'बी'	श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव
9	बायोगैस विद्युत, राष्ट्रीय बायोगैस कार्यक्रम, बायोगैस प्रशिक्षण केंद्र और बायोगैस आर एंड डी	श्री एसआर मीणा, वैज्ञानिक 'सी'	श्री जी.एल. मीणा, वैज्ञानिक 'जी'
10	लैब नीति, मानक और गुणवत्ता नियंत्रण।	सुश्री रोहिणी सुब्रमण्यम, अनुभाग अधिकारी	श्री बी.एस. नेगी, वैज्ञानिक 'जी'
11	इरेडा, सेकी के सभी प्रशासनिक मामले	श्री अरविंद सहदेव घोलप, अनुभाग अधिकारी	डॉ. पंकज सक्सेना, वैज्ञानिक ''एफ''
12	ऑफ–ग्रिड सौर, कृषि पंप योजना, स्ट्रीट लाइट, होम लाइट, एसएडीपी, अक्षय उर्जा शॉप, कुसुम	श्री शोभित श्रीवास्तव वैज्ञानिक 'सी'	श्री जीवन कुमार जेठानी, वैज्ञानिक 'ई'
13	वीजीएफ योजना, जीबीआई, प्रदर्शन योजना	श्री नीरज कुमार, वैज्ञानिक 'सी'	श्री दिलीप निगम, वैज्ञानिक 'जी'
14	ऊर्जा भंडारण, ई–मोबिलिटी और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और अक्षय ऊर्जा नीति और विनियम का विशिष्ट संदर्भ	श्री तरुण सिंह वैज्ञानिक 'सी'	डॉ. पी.सी. मैथानी, वैज्ञानिक ''जी ''

15	सोलर रूफटॉप, रूफटॉप योजना के तहत बाहरी सहायता, आरटी योजना के तहत टीए	श्री हिरेन बोराह, वैज्ञानिक 'सी'	श्री औजेंदर सिंह, उप सचिव
16	लघु पवन, पवन ऊर्जा (ऑफ–शोर), पवन आर एंड डी	श्री पी.के. दाश वैज्ञानिक 'सी'	श्री बी.के. पांडा, वैज्ञानिक 'ई'
17	पवन ऊर्जा (ऑन–शोर)	श्री राहुल रावत, वैज्ञानिक 'बी'	श्री जी. उपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ'
18	सौर (आर एंड डी), (एसटी एंड एसपीवी), सौर जल तापक, सौर तापीय ग्रुप – फ्लैट प्लेट/निष्क्रमित ट्यूब संग्राहक/गैर केन्द्रक संग्राहक प्रणालियाँ – एयर हीटर, ड्रायर, प्रत्यक्ष कुकिंग प्रणाली और क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र से संबंधित अनुप्रयोग संबंधी सभी मामले, आर एंड डी समन्वय और निगरानी	श्री अनिल कुमार, वैज्ञानिक 'डी'	श्री राजेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ'
19	ग्रिड कनेक्टेड पीवी एंड एसटी–। (एचवीवीए से संबंधित और अन्य सभी), द्वीपों की ग्रीनिंग	श्री संजय कर्णधार, वैज्ञानिक 'सी'	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
20	ईएफएम अनुभाग	श्री संजय प्रकाश, वैज्ञानिक 'सी'	श्री पी.सी. मैथानी, वैज्ञानिक 'जी'
21	आरई का संगठन – निवेश	डॉ. पी.सी. पंत, वैज्ञानिक 'एफ'	श्री भानु प्रताप यादव, संयुक्त सचिव
22	डीबीटी सेल	श्री अरुण कुमार, वैज्ञानिक 'सी'	श्री भानु प्रताप यादव, संयुक्त सचिव
23	बायोगैस से संबंधित जी.एस.टी.	श्री एस.आर. मीणा, वैज्ञानिक 'सी'	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
24	पवन सीडीसी/ईडीई से संबंधित जीएसटी	श्री एस.के. खुराना, अवर सचिव	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
25	सौर सीडीसी/ईडीई से संबंधित जीएसटी	श्री अरुण कुमार, वैज्ञानिक 'सी'	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
26	ग्रिड सोलर से संबंधित जीएसटी	श्री संजय कर्णधार, वैज्ञानिक 'सी'	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
27	ऑफ ग्रिड सोलर से संबंधित जीएसटी	श्री शोभित श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'सी'	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
28	बायोमास से संबंधित जीएसटी	सुश्री प्रिया, वैज्ञानिक 'बी'	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
29	वित्तीय अनुमोदन, विंड टर्बाइन का विनिर्माण, (सीसीडीसी) (रियायती कस्टम ड्यूटी प्रमाणपत्र)	श्री एस.के. खुराना	श्री .के. पांडा, वैज्ञानिक 'ई'
30	आई एंड पीए और सेमिनार तथा संगोष्ठी	श्री डी.के. पांडे, अवर सचिव	श्री एन.बी. राजू, वैज्ञानिक 'ई'

31	सतर्कता	सुश्री सुनीता धेवाल, अवर सचिव	डॉ. पंकज सक्सेना, वैज्ञानिक 'एफ'
32	राष्ट्रीय सौर मिशन, सौर पार्क, रक्षा योजनाएँ	श्री देवेन्द्र सिंह, अवर सचिव	श्री दिलीप निगम, वैज्ञानिक 'जी'
33	अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर)	श्री चलपति राव, वैज्ञानिक 'सी'	सुश्री वीना सिन्हा, निदेशक
34	राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा का कार्यालय	श्री डी.के. पांडे, अवर सचिव	श्री अमितेश कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव
35	संसद कार्य	श्री ए.के. सिंह, अवर सचिव	डॉ. पंकज सक्सेना, वैज्ञानिक 'एफ'
36	जनता की शिकायतें	श्री ए.के. सिंह, अवर सचिव	सुश्री अलका जोशी, उप सचिव
37	प्रशासन	श्री अरविंद पोखरियाल, अवर सचिव	श्री जी. उपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ'
38	एसएसएस–नीबे के सभी मामले	श्री योगिंदर सिंह, अवर सचिव	श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव
39	आईएफडी	श्री के.जी. सुरेश कुमार, अवर सचिव	श्री संदीप मुखर्जी, उप सचिव
40	एचआरडी, हाइड्रो प्रोजेक्ट्स	श्री बीरबल सिंह नेगी, अवर सचिव	डॉ. पी.सी. पंत, वैज्ञानिक 'एफ'
41	सीसीडीसी सौर ऊर्जा	श्री एन. पी. शुक्ला, अवर सचिव	श्री राजेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ'
42	आरटीआई मामले, हिंदी, पुस्तकालय, बजट, व्यय की निगरानी, लेखा परीक्षा और सांख्यिकीय विश्लेषण	सुश्री सुनीता साजवान, अवर सचिव	सुश्री अलका जोशी, उप सचिव
43	पीएओ, बजट	श्री प्रताप सिंह, वरिष्ठ लेखा अधिकारी	श्री अवतार सिंहसंधू, लेखा नियंत्रक
44	नाइस के सभी प्रशासनिक और वित्तीय मामले	श्री देवेन्द्र सिंह, अवर सचिव	श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव
45	नीवे के सभी प्रशासनिक और वित्तीय मामले	श्री राहुल रावत, वैज्ञानिक 'बी'	श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव

तालिका–11.4 : आरटीआई आवेदनों / प्रथम अपीलों की प्रगति रिपोर्ट			
मद	प्राप्त	निष्पादित	दिनांक 31.12.2019 के अनुसार लंबित
आरटीआई आवेदन	1130	1058	72
प्रथम अपील	42	38	04

12

अन्तर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा सहयोग

अन्तर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा सहयोग

12.1 मंत्रालय का अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर) प्रभाग, नवीन और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के लिए डीईए, एमईए विभिन्न देशों के दूतावासों, बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और विदेशों में भारत के मिशनों के साथ लगातार कार्य कर रहा है।

12.2 वर्तमान वर्ष के दौरान भी मंत्रालय ने समझौता ज्ञापन (एमओयू)/कार्यान्वयन करार (आईए)/अनुपूरक करार (एसए)/आशय पत्र (एलओआई) इत्यादि पर हस्ताक्षर करके नवीन और अक्षय ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। मंत्रालय ने वास्तविक दौरे करके और वीडियो कांफ्रेंस करके द्विपक्षीय/बहुपक्षीय संयुक्त कार्यसमूह (जेडब्ल्यूजी) बैठकें भी आयोजित की। इन बैठकों में भाग लेने, समझौता ज्ञापनों/करार आदि पर हस्ताक्षर करने के प्रयोजनार्थ माननीय मंत्री जी तथा वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर दौरे किए गए।

12.3 एमएनआरई ने नवीन और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में विभिन्न देशों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू)/करारों/सहमति पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन एमओयू/करारों के तहत कार्यान्वयन हेतु संयुक्त कार्यकलापों की पहचान, चयन और निरूपण की निगरानी करने के लिए संयुक्त कार्यदलों (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया गया। विभिन्न देशों के साथ भी अन्य मंत्रालयों जैसे–विदेश मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय एवं विद्युत मंत्रालय, नीति आयोग आदि के संयुक्त आयोग की बैठकों (जेसीएम), संयुक्त कार्यदल (जेडबल्यूजी) बैठकों, सयुंक्त व्यापार समिति (जेटीसी) बैठकों के माध्यम से भी संवाद किया जाता है। कई देशों के साथ द्विपक्षीय स्तर पर परस्पर सहमति से परियोजनाओं और सहयोग कार्यक्रमों की भी स्थापना की गई है यद्यपि उनके साथ कोई विशिष्ट समझौता ज्ञापन संपन्न नहीं किया गया है।

12.4 इसके अतिरिक्त एमएनआरई द्वारा विभिन्न बहुपक्षीय/त्रिपक्षीय सहयोग ढांचों, जैसे– दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क), दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संघ (आसियान), ब्राजील–रूस–भारत–चीन–दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स), भारत–ब्राजील–दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए),जी–20 आदि के अंतर्गत साझेदारी की जाती रही है।

12.5 मंत्रालय विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय/बहुराष्ट्रीय निधिकरण एजेंसियों, जैसे– विश्व बैंक, केएफडब्ल्यू, यूरोपियन संघ(ईयू), यूएसएआईडी, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), एशियाई विकास बैंक (एडीबी), संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ), जीआईजेड इत्यादि के साथ भी कार्य कर रहा है जो भारत में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए परियोजना आधारित सहायता उपलब्ध करा रहे हैं।

12.6 मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस) को शामिल कर अफ्रीकी और अन्य विकासशील देशों में विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। भारत के शीर्षस्थ संस्थानों, नामतः राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस), गुरुग्राम, राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान, चेन्नई, वैकल्पिक जल विद्युत केन्द्र (एएचईसी), आईआईटी, रुड़की में भारत सरकार के आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, लघु पन बिजली और बायोमास के क्षेत्रों में अफ्रीकी और अन्य विकासशील देशों में विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं।

12.7 वर्ष 2019 के दौरान निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों/सहयोग करार/सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए:–

- भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय एवं किंगडम ऑफ डेनमार्क के ऊर्जा, यूटिलिटी और जलवायु मंत्रालय के बीच एक सहयोग समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। भारत में एकीकृत अक्षय ऊर्जा की उत्कृष्टता के लिए इंडो– डेनिस केंद्र की स्थापना के लिए दिनांक 6 मार्च, 2019 को दिल्ली में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय एवं गिनि गणराज्य की सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के बीच दिनांक 2 अगस्त 2019 को कोनाक्री में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय एवं किंगडम ऑफ सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय के बीच दिनांक 29 अक्टुबर 2019 को रियाद में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

12.8 वर्ष 2019 के दौरान माननीय मंत्री, सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय/बहुपक्षीय सहयोग के भाग के रूप में एमएनआरई में विभिन्न बैठकें आयोजित की गई।

12.9 वर्ष 2019 के दौरान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निम्नलिखित विदेशी दौरे किए गए हैं :

i. श्री आर. के. सिंह, माननीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री आनंद कुमार, सचिव, एमएनआरई और श्री मनोज कुमार सिंह, माननीय मंत्री के निजी सचिव ने 13–14 जनवरी 2019 को अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (इरेना) एसेम्बली बैठक के नवें सत्र, आबू धाबी सस्टेनेबल वीक (एडीएसडबल्यू) और अन्य संगत बैठकों में भाग लेने के लिए आबू धाबी, यूएई का दौरा किया।

ii. श्री आनंद कुमार, सचिव और श्री अंजनी नंदन शरण, संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 25–28 फरवरी, 2019 तक यूएसए की ओर से प्रस्तावित बैठक और भारत–अमेरिका सामरिक ऊर्जा साझेदारी के तहत स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा पर संयुक्त कार्य दल की पहली सामुहिक बैठक में भाग लेने के लिए वाशिंगटन डीसी, यूएसए का दौरा किया।

iii. श्री जे. के. जेठानी, वैज्ञानिक–ई नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 25–26 जनवरी 2019 तक एशियाई विकास बैंक द्वारा आयोजित हिन्दू कुश हिमालय में स्वच्छ ऊर्जा के लिए स्थायी पहुँच पर कार्यशाला में भाग लेने के लिए थिंपु, भूटान का दौरा किया।

iv. श्री पी. एन. बी. वी. चलपति राव, वैज्ञानिक–सी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री मनीष सिंह बिष्ट, वैज्ञानिक–'बी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 25.02.2019 से 01.03.2019 तक जीआईजेड द्वारा रिन्यूएबल एकेडमी (रीनेक) में आयोजित अक्षय स्रोतों के ग्रिड एकीकरण पर प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए बर्लिन, जर्मनी का दौरा किया।

v. श्री तरुण सिंह, वैज्ञानिक–सी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 25–26 फरवरी 2019 तक "अक्षय ऊर्जा और भंडारण प्रणाली" पर विश्व बैंक द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया।

vi. श्री बी.के. पांडा, वैज्ञानिक–ई, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 25–29 मार्च 2019 तक अपतटीय पवन पर एक अध्ययन दौरे में भाग लेने के लिए डेन्मार्क का दौरा किया।

vii. श्री तरुण सिंह, वैज्ञानिक–सी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री अनुभव उप्पल , वैज्ञानिक–बी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 11–15 मार्च 2019 तक 17वीं अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के ऊर्जा सांख्यकी पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए फ्रांस का दौरा किया।

viii. श्री ए. एन. शरन, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 2–4 अप्रैल 2019 तक अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर आईईए वर्किंग पार्टी (आरईडबल्यूपी) की 75 वीं बैठक और अक्षय उद्योग सलाहकार बोर्ड (आरआईएबी) की बैठक में भाग लेने के लिए पेरिस, फ्रांस का दौरा किया।

ix. श्री प्रवीण कुमार, अपर सचिव और श्रीमती वीना सिन्हा, निदेशक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, ने 18–19 अप्रैल 2019 को जी –20 के लिए एनर्जी ट्रांजिशन वर्किंग ग्रुप (ईटीडबल्यूजी) की दूसरी बैठक और पर्यावरण के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (ईएसओएम) में भाग लेने के लिए टोयामा, जापान का दौरा किया।

x. श्री ए.एन. शरण संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 27–29 मई, 2019 को 10वें स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय (सीईएम –10) और चौथे मिशन इनोवेशन (एमआई –4) बैठकों में भाग लेने के लिए पेरिस, फ्रांस का दौरा किया।

xi. श्री जे. एन. स्वैन, प्रबंध निदेशक भारतीय सौर ऊर्जा निगम सेकी, श्री जे. के. जेठानी, वैज्ञानिक–'ई' और श्री अनिल कुमार, वैज्ञानिक 'सी' नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 15–18 मई 2019 तक इंडो जर्मन एनर्जी फॉरम तथा इंटर–सोलर यूरोप–2019 के अंतर्गत ओफिसियल सब ग्रुप–2 की बैठक में भाग लेने के लिए म्यूनिच,जर्मनी का दौरा किया।

xii. श्री दिलीप निगम, वैज्ञानिक–'जी' एवं श्री ए.एस. परीरा वैज्ञानिक– 'सी' नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 8–16 जून 2019 तक भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा सहयोग सीईसीआई सौर पार्को का भ्रमण के अंतर्गत ईयू द्वारा आयोजित स्टडी टूर प्रोग्राम के तहत बेल्जियम, इटली और यूके का दौरा किया।

xiii. श्री आनंद कुमार, सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 13–16 जून 2019 तक सतत वृद्धि के लिए ऊर्जा संक्रमण और वैश्विक पर्यावरण पर जी–20 की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए जापान का दौरा किया।

xiv. श्री संजय जी. कर्णधार, वैज्ञानिक–सी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 16 जून से 27 जून 2019 तक जापान सरकार के तकनीकी सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रिड मुख्यतः फोटोवोल्टेयिक में अक्षय ऊर्जा पर ज्ञान सह निर्माण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जापान का दौरा किया।

xv. श्री राहुल रावत, वैज्ञानिक–'बी' नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 17–21 जून 2019 के दौरान एशिया क्लीन एनर्जी फॉरम (एसीईएफ) 2019 की बैठक में भाग लेने के लिए फिलीपिन्स का दौरा किया।

xvi. डॉ. पी. सी. मैथानी, वैज्ञानिक–'जी' नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 17–27 जून,2019 तक यूएनएफसीसीसी के बॉन जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भाग लेने के लिए बॉन, जर्मनी का दौरा किया।

xvii. डॉ. राजेश कुमार, वैज्ञानिक–'एफ' नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 20–21 जून 2019 तक 12 वें भारत–ताइवान सचिव उप मंत्री स्तरीय परामर्श में भाग लेने के लिए ताइवान का दौरा किया।

xviii. श्री भानु प्रताप यादव, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, और श्री जे. एन. स्वेन, प्रबंध निदेशक, सेकी ने 24–28 जून, 2019 तक प्रथम ऑफशोर विंड राउंड–टेबल इवैंट में भाग लेने के लिए लंदन, यूनाइटेड किंगडम का दौरा किया।

xix.. श्री आनंद कुमार, सचिव और श्री ए. एन. शरन, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 24–26 जून 2019 तक अंतरराष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (इरेना) परिषद की सतरहवीं बैठक और संबन्धित बैठकों में भाग लेने के लिए आबू धाबी, यूएई का दौरा किया।

xx. श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव और श्री के. जी. सुरेश, अवर सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 14–21 जुलाई 2019 तक यूएनआईडीओ प्रोजेक्ट के तहत इंटरनेशनल ग्रुप एंड स्टडी टूर में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रीया,जर्मनी और स्वीडन का दौरा किया।

xxi.. श्री प्रवीण कुमार, अपर सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरेडा ने 2–3 सितंबर 2019 तक इरेडा के आगामी आईपीओ के संबंध में संस्थागत निवेश समूह से मुलाकात के लिए सिंगापुर का दौरा किया।

xxii. श्री अमितेश कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 10–11 सितंबर, 2019 तक अक्षय ऊर्जा कार्य समूह (आरईडबल्यूपी) पर आईईए द्वारा आयोजित 76 वीं बैठक में भाग लेने के लिए हेलसिंकी, फिनलैंड का दौरा किया।

xxiii. श्री जे. के. जेठानी, वैज्ञानिक–'ई' नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 10–11 सितम्बर, 2019 तक आईसीआईएमडीओएफ द्वारा आयोजित विद्युत सिंचाई प्रणाली के सतत प्रबंधन के लिए संस्थागत क्षमताओं के सुदृढ़ीकरण संबंधी संवाद में भाग लेने के लिए काठमांडू, नेपाल का दौरा किया।

xxiv. श्री तरुण सिंह, वैज्ञानिक–'सी' और श्री संजय जी. कर्णधार, वैज्ञानिक, 'सी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 24–29 सितम्बर, 2019 तक जीआईजेड द्वारा आयोजित "स्टडी टूर एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और फ्लोटिंग सोलर' में भाग लेने के लिए जर्मनी और फ्रांस का दौरा किया।

xxv. श्री अनिल कुमार, वैज्ञानिक–'डी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 30 सितम्बर से 4 अक्टुबर 2019 तक सिंगापुर को ऑपरेशन प्रोग्राम ईनिंग अवार्ड (एससीपीटीए) के तहत ' क्लीन एनर्जी एंड इमिसन रिडक्सन' के कोर्स में भाग लेने के लिए सिंगापुर का दौरा किया।

xxvi. श्री अमितेश कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 06–12 अक्टुबर 2019 तक "अक्षय ऊर्जा और दक्षता सप्ताह (आरईईडबल्यू)–2019 में भाग लेने के लिए बर्लिन– जर्मनी का दौरा किया।

xxvii. श्री पी. एन. बी. वी. चलपति राव, वैज्ञानिक–सी और श्री रोहित ठकवानी, वैज्ञानिक–'बी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 14–18 अक्टुबर 2019 तक आईईए द्वारा आयोजित "18 वें ऊर्जा सांख्यिकी कोर्स" में भाग लेने के लिए पेरिस, फ्रांस का दौरा किया।

xxviii. श्री दीपेश फेरवानी, वैज्ञानिक–'बी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 22–25 अक्टुबर 2019 के दौरान अर्थव्यवस्था में हाइड्रोजन और ईंधन सेल के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारी (आईपीएचई) की 32वीं संचालन समिति की बैठक में भाग लेने के लिए सियोल, साउथ कोरिया का दौरा किया।

xxix. श्री विजय कुमार भारती, वैज्ञानिक–बी, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 28–31 अक्टुबर 2019 के दौरान ग्लोबल मीथेन इनिसिएटिव बायो गैस सब कमेटी मीटिंग और बायो साइकल रेफोर–2019 में भाग लेने के लिए विस्कोंसिन, यूएसए का दौरा किया।

xxx. श्री अमितेश कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 11 नवम्बर, 2019 को ब्रिक्स मिनिस्टर्स ऑफ एनर्जी की चौथी बैठक में भाग लेने के लिए ब्रासीलिया, ब्राजील का दौरा किया।

xxxi. श्री प्रबीर कुमार दास, वैज्ञानिक–'सी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 18 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2019 तक यंग लीडर्स के लिए जेआईसीए द्वारा आयोजित नॉलेज को क्रीएशन प्रोग्राम में भाग लेने के लिए जापान का दौरा किया।

xxxii. श्रीमती सुतपा मजुमदार, आर्थिक सलाहकार, श्री राहुल रावत, वैज्ञानिक 'बी', श्री विक्रम ढाका, वैज्ञानिक 'बी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 22 से 29 नवम्बर, 2019 तक ऑफशोर विंड एनर्जी पर ईयू–इंडिया क्लीन एनेर्जी और क्लाइमेट पार्टनर्शिप स्टडी टूर में भाग लेने के लिए नीदरलैंड और डेनमार्क का दौरा किया।

xxxiii. डॉ. पी. सी. मैथानी, सलाहकार, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 2–13 दिसम्बर, 2019 तक यूएनएफसीसीसी की पार्टी कॉन्फ्रेंस के 25 वें सत्र में भाग लेने के लिए मैड्रिड, स्पेन का दौरा किया।

श्री आनन्द कुमार, सचिव, एमएनआरई और भारत में अमेरिका के राजदूत श्री कैनेध यान जस्टर के साथ पेस. सेटर फंड प्रोग्राम के द्वितीय चरण के विजेता

xxxiv. श्री आनंद कुमार, सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 9–10 दिसम्बर 2019 के दौरान यूएनएफसीसीसी की कांफ्रेंस ऑफ पेरीस के 25 वें सत्र में भाग लेने के लिए मैड्रिड, स्पेन का दौरा किया।

12.10 पेस. सेटर फंड कार्यक्रम के द्वितीय चरण के विजेताओं को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा अमेरिकी दूतावास द्वारा दिनांक 20 सितम्बर, 2019 को ओयोजित एक सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन की सह अध्यक्षता श्री आनन्द कुमार, सचिव, एमएनआरई और श्री कैनेध यान जस्टर, भारत में अमेरिका के राजदूत द्वारा की गई। द्वितीय चरण में अनुदान के लिए चार परियोजनाओं को चयनित किया गया। इन विजेताओं में सोसाइटी फॉर इकनॉमिक एण्ड सोसियल स्टडीज, नई दिल्ली, कस्टमाइज्ड एनर्जी सोल्यूसन्स इण्डिया प्रा. लिमिटेड, पूणे, द एनर्जी एण्ड रिसोर्सेज इस्टिट्यूट (टेरी), नई दिल्ली और राघवेन्द्र सनटेक सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड (आरएसएसपीएल) बंगलौर शामिल है।

12.11 अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (इरेना) के साथ कार्य:–

(i) भारत अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (इरेना) के संस्थापक सदस्यों में से एक है, जो एक अंतरसरकारी संगठन है जो भविष्य में सतत ऊर्जा के प्रचालन के लिए राष्ट्रों को सहयोग प्रदान करता है, और एक प्रमख मंच के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए अपनी सेवा देता है, तथा अक्षय ऊर्जा पर नीतियों, प्रौद्योगिकी, संसाधन एवं वित्तीय ज्ञान

का भण्डार है। इरेना जैव विद्युत भू–तापीय ऊर्जा, पन–विद्युत, महासागरीय पवन तथा सौर विद्युत सहित अक्षय ऊर्जा के सभी रूपों के सतत और व्यापक प्रयोग को अपनाने की बढ़ावा देता है जो सतत विकास, ऊर्जा पहुँच, ऊर्जा सुरक्षा और निम्न कार्बन आर्थिक विकास और समृद्धि की खोज में सहभागी बने।

(ii) इरेना अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के लिए सही नीतियों को अपनाने के लिए सरकारों को प्रोत्साहित करती है, अक्षय ऊर्जा की स्थापना में तेजी लाने के लिए व्यावहारिक उपकरण तथा नीतिगत सलाह प्रदान करती है तथा दुनिया की बढ़ती आबादी के लिए स्वच्छ, स्थायी ऊर्जा प्रदान करने के लिए ज्ञान के साझाकरण और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है।

(iii) भारत नियमित रूप से इरेना की परिषद तथा महासभा की बैठको में भाग लेता है और ठोस सुझाव प्रदान करता है।

12.12 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

(i) मंत्रालय के स्वायत्त संस्थान, भारतीय सौर ऊर्जा निगम (नाइस) और राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे), एमईए के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के तहत विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के लिए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन और संचालन करते है।

(ii) इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पहला उद्देश्य प्रतिभागियों को सौर और पवन प्रौद्योगिकी की नीतिगत पहलुओं, गुणवत्ता नियंत्रण और अक्षय ऊर्जा के उपयोग के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना है। प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान का उपयोग प्रतिभागियों द्वारा अपने संबंधित देशों में अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी का उपयोग करते समय किया जा सकता है।

(iii) नीवे ने अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जिनका विवरण **तालिका 12.1** में दिया गया है।

(iv) नाइस ने अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनका विवरण **तालिका 12.2** में दिया गया है।

12.13 अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए)

(i) आईएसए सस्ती दर पर सार्वभौमिक ऊर्जा की सुलभता हेतु सौर ऊर्जा के विकास और स्थापना में तेजी लाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। भारत आईएसए को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक वैकल्पिक प्रतिमान मानता है जो सहयोग पर आधारित है और जो मानवता के सन्मुख आने वाली बड़ी चुनौतियां – स्थायी ऊर्जा, ऊर्जा की कमी और जलवायु परिवर्तन का समाधान करने के लिए सामूहिक रूप से प्रभावी परिवर्तन लाने हेतु अलग–अलग देशों की क्षमता बढ़ाता है।

(ii) इस बात को मानते हुए कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के उद्देश्यों तथा आईएसए की पहल से विश्व को व्यापक स्तर पर लाभ होने की संभावना को देखते हुए एक भारतीय संकल्प अपनाया गया जिसके अंतर्गत आईएसए के पहले सम्मेलन के दौरान उन सभी देशों को संगठन की सदस्यता दी जाएगी जो संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं। आईएसए को अब 2030 सतत विकास लक्ष्यों और जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। आज तक 84 देशों ने आईएसए के फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें से, 62 देशों ने इसका समर्थन किया है।

(iii) भारत आईएसए के दृष्टिकोण और उद्देश्यों को साकार करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करता रहा है। भारत सरकार ने राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस) परिसर, गुरुग्राम में आईएसए को 5 एकड़ भूमि आवंटित की है और एक कोष गठित करने, बुनियादी ढांचा तैयार करने तथा वर्ष 2021–22 तक दैनिक खर्चों के लिए

तालिका 12.1: नीवे द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और कार्यशालाऐं				
क्र. सं.	संचालित कार्यक्रम का नाम/पाठ्यक्रम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	देशों की संख्या
1.	आईटीईसी कार्यक्रम के तहत आईटीईसी साझीदार देशों के लिये पवन संसाधन मूल्यांकन और पवन फार्म योजना पर चौथा विशेष अंररर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	28.08.2019 से 20.09.2019 तक	16	9
2.	आईटीईसी कार्यक्रम के तहत आईटीईसी साझीदार देशों के लिये लघु पवन टरबाइन के डिजाइन, संस्थापना और रखरखाव पर तीसरा विशेष अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	28.08.2019 से 24.09.2019 तक	26	9
3.	आईटीईसी कार्यक्रम के तहत आईटीईसी साझीदार देशों के लिये पवन टरबाइन पर 24वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	23.10.2019 से 19.11.2019 तक	28	18
4.	आईएएफएस–III कार्यक्रम के तहत अफ्रीकी देशों के लिए पवन टरबाईन प्रौद्यौगिकी और अनुप्रयोग पर 7वां विशेष अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	24.10.2019 से 21.11.2019	26	11
5.	आईटीईसी कार्यक्रम के तहत विशेष रुप से आईएसए सदस्य देशों के लिये सौर ऊर्जा संयंत्र के सौर संसाधन मूल्यांकन और विकास पर विशेष अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	27.11.2019 से 20.12.2019 तक	34	21
6.	पवन और सौर संसाधन मूल्यांकन पर प्रो. अन्नामनी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	29.11.2019 से 25.02.2020 तक	211	22
	तय कार्यक्रम			
7	आईटीईसी कार्यक्रम के तहत आईटीईसी साझीदार देशों के लिये पवन टरबाइन प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग पर 25वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	29.01.2020 से 25.02.2020 तक		
8	आईटीईसी कार्यक्रम के तहत विशेष रूप से बीआईएमएसटीईसी देशों के लिये नीति पहल पर ध्यान देने के साथ अक्षय स्रोतों (पवन और सौर) को बढ़ाना	26.02.2020 से 03.03.2020 तक		

तालिका 12.2:				
क्र. सं.	कार्यक्रम/पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	परितिभागियों की संख्या	देशों की संख्या
1	भारत अफ्रीका फोरम समित–III के तहत अफ्रीकी देशों के लिये अक्षय ऊर्जा क्षमता निर्माण कार्यक्रम।	12.08.2019 से 30.08.2019	40	12
2	सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।	16.09.2019 से 04.10.2019	33	19
3	आईएसए सदस्य देशों के मास्टर ट्रेनरों के लिए सौर ऊर्जा पर आईटीईसी कार्यक्रम।	04.11.2019 से 22.11.2019	21	12
4	सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।	25.11.2019 से 13.11.2019	29	21

160 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। भारत अपनी प्रतिबद्धता के अनुसार, आईएसए को वर्ष 2020–21 में अतिरिक्त 15 करोड़ रुपए जारी करेगा। इसके अलावा, भारत सरकार के विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने आईएसए कॉर्पस फंड को बढ़ाने के लिए 8 मिलियन अमेरिकी डालर का योगदान दिया है। साथ ही, भारत ने अफ्रीका के लिए 10 बिलियन अमेरिकी डालर की रियायती ऋण व्यवस्था (लाइन ऑफ क्रेडिट) में से सौर परियोजनाओं के लिए 2 बिलियन अमेरिकी डालर अलग रखा है। एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया अफ्रीका में आईएसए देशों के साथ परस्पर समन्वय में इस ऋण व्यवस्था को लागू कर रहा है। भारत ने 24 सितंबर 2019 को, 74 वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान 12 मिलियन अमेरिकी डालर के अनुदान के आवंटन की घोषणा की तथा पेसिफिक द्वीपसमूह विकासशील

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की 31 अक्तूबर, 2019 को नई दिल्ली में आयोजित दूसरी सभा में श्री राज कुमार सिंह विद्युत, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री तथा अन्य गणमान्य हस्तियाँ

देशों के लिए सौर, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु संबंधित परियोजनाओं हेतु 150 मिलियन अमेरिकी डालर का रियायती ऋण प्रदान करने की घोषणा की।

(iv) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 30 और 31 अक्टूबर 2019 को नई दिल्ली में आईएसए की दूसरी सभा की मेजबानी की। जबकि 30 अक्टूबर, 2019 को आईएसए कार्यक्रमों के विभिन्न पहलुओं पर समन्वय और परामर्श बैठकों का आयोजन किया गया तथा सभा की बैठक 31 अक्टूबर, 2019 को आयोजित की गई। 78 देशों के प्रतिनिधिमंडल ने इस सभा में हिस्सा लिया, इसमें 29 मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल थे, जिनमें 25 आईएसए सदस्य देशों से, 2 हस्ताक्षरकर्ता देशों से और 2 संभावित सदस्य देशों से थे।

(v) श्री आर.के. सिंह, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा विद्युत और कौशल विकास उद्यमिता मंत्री, भारत सरकार और आईएसए सभा के पदेन अध्यक्ष ने सभा का उद्घाटन किया। सभा ने आईएसए सदस्य देशों में आईएसए की गतिविधियां और वहां पर सौर ऊर्जा के विकास में तेजी लाने तथा सौर ऊर्जा की स्थापना करने के नए प्रस्तावों पर चर्चा की और सभा के नियमों तथा प्रक्रिया, आईएसए के विनियमों के मैनुअल, और कार्यक्रम तथा वर्ष 2020 के बजट को अनुमोदित किया।

(vi) आईएसए ने विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की शुरुआत की है। आईएसए सदस्य देशों से 1000 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा और 300000 सौर जल पंपों की कुल मांग आई है। आईएसए सदस्य देशों की घरेलू क्षमता को तैयार करने के लिए कुछ प्रमुख गतिविधियों में निसे, गुरुग्राम में आईटीईसी मास्टर ट्रेनर्स कार्यक्रमय आईआईटी, दिल्ली में मिड–कैरियर व्यावसायिकों के लिए एम.टेक कार्यक्रमय स्टार–सी कार्यक्रम और इन्फोपेडिया का विकास शामिल है। आईएसए ने चुनौतियों और मुद्दों को 'जमीनी स्तर पर' समझने और अपने कार्यक्रमों के लिए मजबूत समर्थन जुटाने के लिए, वर्ष 2019 के दौरान आठ देशों – बेनिन, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, गिनी, मलावी, माली, नाइजर, टोगो और युगांडा में अपने मिशन भेजे। आईएसए ने अपने विस्तार में काफी बढ़ोत्तरी की है और 40 से अधिक संगठनों के साथ भागीदारी की है। इनमें मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र, बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी), विकास वित्त संस्थान (डीएफआई), अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठन और प्रतिष्ठान तथा निजी क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं।

13

राजभाषा हिन्दी की प्रगति

राजभाषा हिन्दी की प्रगति

13.1 भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन करने के उद्देश्य से मंत्रालय में एक हिन्दी अनुभाग की स्थापना की गई है जिसके निम्नलिखित कार्य हैं:

i. अनुवाद कार्य; और

ii भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन।

13.2 वर्ष 2019–20 के दौरान राजभाषा अधिनियम 1963 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु सम्मिलित प्रयास किए गए।

13.3 मंत्रालय में राजभाषा नीति को बढ़ावा देने तथा कार्मिकों के लिए हिन्दी में और अधिक कार्य करने हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम/योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :–

(i). मंत्रालय की वेबसाइट को द्विभाषी बनाया गया है और उसे समय–समय पर अद्यतन किया जा रहा है।

(ii). मंत्रालय के प्रवेश द्वार पर एक डिजिटल बोर्ड लगाया गया है जिसमें प्रतिदिन हिन्दी का एक नया शब्द प्रदर्शित किया जाता है। हिन्दी में प्रमुख प्रेरक वाक्य भी प्रदर्शित किए जाते हैं।

(iii). अधिकारियों/कर्मचारियों की सुविधा के लिए हिन्दी में काम करने के लिए मानक मसौदे और मानक फार्म तैयार किए गए हैं और मंत्रालय की वेबसाइट पर डाले गये हैं।

(iv). मंत्रालय में हिंदी पुस्तकों की खरीद की जाती है और राजभाषा विभाग द्वारा विनिर्दिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास किए जाते हैं।

(v). नोडल एजेंसियों के पते हिंदी में तैयार किए गए हैं।

(vi). राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी कागजात, जैसे– प्रैस विज्ञप्ति, निविदा सूचना, नियम, सामान्य आदेश, अधिसूचनाएं, मंत्रिमंडल टिप्पणी, संसद प्रश्न तथा संसद के समक्ष रखे जाने वाले अन्य सभी दस्तावेज द्विभाषिक रूप में जारी किए जाते हैं।

(vii). हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर अनिवार्य रूप से हिन्दी में दिया गया और राजभाषा नियम 1976 के नियम (5) का पूर्णतः अनुपालन किया गया।

(viii). मंत्रालय में माह के प्रथम कार्यदिवस को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन यथासंभव कार्य हिन्दी में किया जाता है।

13.4 वर्ष 2019–20 के दौरान मंत्रालय में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अनेक प्रयास किए गए। राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार 'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों के साथ हिन्दी में पत्राचार की प्रतिशतता क्रमशः 78.58%, 67.60% और 64.51% थी।

13.5 मंत्रालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गई। मंत्रालय के विभिन्न अनुभागों/प्रभागों, इरेडा, सेकी, नीवे, नाइस और नीबे से प्राप्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की गई। अनुभागों/प्रभागों और अन्य संगठनों को राजभाषा विभाग द्वारा निर्दिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने की सलाह दी गई।

13.6 हिन्दी पखवाड़ा

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के उपयोग के प्रति जागरुकता और उसके प्रयोग में वृद्धि लाने के उद्देश्य से मंत्रालय में 13 से 27 सितम्बर, 2019 तक 'हिन्दी पखवाड़ा' मनाया गया। पखवाड़े के दौरान हिंदी का उत्तरोत्तर प्रयोग

करने के संबंध में माननीय गृह मंत्री और माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री को संदेश भी पढ़कर सुनाए गए। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया। हिन्दी और हिन्दीतर भाषी 39 अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर नकद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र दिए गए। मंत्रालय के विभिन्न कार्यालयों और उपक्रमों में भी हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

13.7 वर्ष के दौरान राजभाषा विभाग की हिंदी टिप्पण और प्रारूपण योजना को जारी रखा गया और इस योजना के तहत 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

13.8 "हिंदी सलाहकार समिति" के पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही है।

13.9 प्राकृतिक ऊर्जा पुरस्कार योजना

गैर–पांरपरिक ऊर्जा के विषयों के संबंध में हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन या हिंदी में अनुदित पुस्तकों को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय में 1988 से प्राकृतिक ऊर्जा पुरस्कार योजना कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना के तहत हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,00,000/–रु. द्वितीय पुरस्कार के रूप में 60,000/–रु. और तृतीय पुरस्कार के रूप में 40,000/–रु. के पुरस्कार का प्रावधान है। हिंदी में अनुदित पुस्तकों

हिन्दी पखवाड़ा–2019 – पुरस्कार वितरण समारोह

के लिए प्रथम, द्वितीय, और तृतीय पुरस्कारों की राशि क्रमशः 50,000/–रु., 30,000/–रु. और 20,000/–रु. है। पुरस्कार विजेताओं को सचिव, एमएनआरई द्वारा हस्ताक्षरित प्रशंसा पत्र भी प्रदान किया जाता है।

13.10 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विभिन्न श्रेणियों के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हर तिमाही में हिंदी कार्यशालाएं आयाजित की गई। वर्ष के दौरान चार हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में मंत्रालय के अधिकांश अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

13.11 अधीनस्थ कार्यालयों और अनुभागों का निरीक्षण

राजभाषा के प्रगामी प्रयोग से संबंधित स्थिति का जायजा लेने के लिए हिंदी अनुभाग के अधिकारियों द्वारा समय–समय पर विभिन्न कार्यालयों और स्वायत्त संस्थानों/सरकारी उपक्रमों आदि का निरीक्षण किया गया। वर्ष के दौरान इरेडा, सेकी और नाइस का निरीक्षण किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा–2019 – पुरस्कार वितरण समारोह

अनुलग्नक

अनुलग्नक I

दिनांक 01.01.2020 की स्थिति के अनुसार एमएनआरई में वर्तमान स्वीकृत और कार्यरत कर्मचारियों की संख्या :–

समूह	क	ख	ग	कुल
स्वीकृत	141	85	88	314
कार्यरत	84	55	63	202
अनुसूचित जाति	13	12	20	45
अनुसूचित जनजाति	3	2	4	9
अन्य पिछड़ा वर्ग	7	12	9	28
दिव्यांग	0	1	1	2

इरेडा

दिनांक 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार इरेडा में कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है:–

वर्गीकरण	बोर्ड स्तर	समूह क	समूह ख	समूह ग	समूह घ	कुल
कार्यरत	03*	134**	05	22	...	164
अनुसूचित जाति	...	17	...	06	...	23
अनुसूचित जनजाति	...	08	...	01	...	09
अन्य पिछड़ा वर्ग	...	24	...	03	...	27
दिव्यांग	...	03	...	01	...	

कुल स्वीकृत पद (बोई स्तर के नीचे) : 213

*श्री प्रवीण कुमार के पास दिनांक 31.12.2019 तक सीएमडी, इरेडा का अतिरिक्त प्रभार रहा।

**श्री विनायक गर्ग के पास दिनांक 12.12.2019 सीवीओ, इरेडा का अतिरिक्त प्रभार रहा है।

नीवे

दिनांक 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान में पदों का समूह–वार विवरण निम्नानुसार है:–

पदों की संख्या	समूह**			कुल
	क	ख	ग	
स्वीकृत	18	13	17	48
कार्यरत	18	11	17	46
अनुसूचित जाति	2	2	2	6
अनुसूचित जनजाति	1			1
अन्य पिछड़ा वर्ग	3	2	2	7
दिव्यांग	–	–	–	–

**कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 8.12.2017 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 11012/10/2016– स्थापना ए–।।। के अनुसार पदों का वर्गीकरण।

एसएसएस–नीबे

सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान (एसएसएस–नीबे) के कर्मचारियों से संबंधित जानकारी :–

समूह	बोर्ड स्तर	क	ख	ग	घ	कुल
स्वीकृत	1	20*	1	4	.	26
कार्यरत	.	3	1	4	.	8
अनुसूचित जाति	.	.	.	.	.	.
अनुसूचित जनजाति	.	.	.	.	.	.
दिव्यांग	.	.	.	.	.	.

*समूह क की भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

नाइस

दिनांक 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्वायत्त संस्थान राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस), के कर्मचारियों से संबंधित जानकारी निम्नानुसार हैं :–

समूह	क	ख	ग	घ	कुल
स्वीकृत	25	16	0	0	41
कार्यरत	6	0	0	0	6
अनुसूचित जाति	0	0	0	0	0
अनुसूचित जनजाति	0	0	0	0	0
अन्य पिछड़ा वर्ग	0	0	0	0	0
दिव्यांग	0	0	0	0	0

नोट : रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रियाधीन है एवं इसे दिनांक 31.03.2020 तक पूरा कर लिया जाएगा।

सेकी

दिनांक 31.12.2019 की स्थिति के अनुसार भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) में कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है:–

समूह	क	ख	ग	घ	कुल
स्वीकृत	101	10	शून्य	शून्य	111
कार्यरत	76	08	शून्य	शून्य	84
अनुसूचित जाति	03	02	शून्य	शून्य	05
अनुसूचित जनजाति	02	शून्य	शून्य	शून्य	02
अन्य पिछड़ा वर्ग	12	02	शून्य	शून्य	14
दिव्यांग	01	01	शून्य	शून्य	02

भुगतान और लेखा कार्यालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

दिनांक 31.03.2019 की सिथति के अनुसार भुगतान एवं लेखा कार्यालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में स्वीकृत और कार्यरत पद इस प्रकार है :–

समूह	क	ख	ग	घ	कुल
स्वीकृत	1	6	9	–	16
कार्यरत	1	4	7	–	12
अनुसूचित जाति	–	1	–	–	1
अनुसूचित जनजाति	–	–	1	–	1
अन्य पिछड़ा वर्ग	–	–	2	–	2
दिव्यांग	–	–	–	–	–

अनुलग्नक– II

सीएजी ऑडिट पैरा

वर्ष	रिपोर्ट संख्या	अध्याय संख्या	पैरा संख्या	कार्रवाई	विषय	चरण
2018	2018 की 2	II	II		नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के आउटकम बजट की समीक्षा #	संशोधित एटीएन अपलोड किया गया
2018	2018 की 2	IX	9.1	संशोधित एटीएन जोडें	सोलर थर्मल पावर प्लांट का गैर–उपयोग*	आगे के स्पष्टीकरण के लिए मसौदा एटीएन को लौटाया गया

इस मंत्रालय की ओर से काई कार्रवाई लंबित नहीं है

* अब यह पीएसी पैरा है

अनुलग्नक III

राज्यों और स्वैच्छिक संगठनों को सहायता अनुदान

वित्त वर्ष 2019–20 में एचआरडी कार्यक्रम के तहत कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए जारी की गई धनराशि				
क्र. सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	राशि
1	342–11 / 36/2017–मा.सं.वि.	भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान रूड़की, उत्तराखण्ड	2019/04/06	27,08,258/–
2	10/1 (26) / 2015–पी एंड सी	राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का एक स्वायत्त संस्थान), गुड़गांव	2019/08/30	14,93,65,769/–
3	10/1 (26) / 2015–पी एंड सी		2019/09/27	3,00,00,000/–
4	10/1 (26) / 2015–पी एंड सी		2019/09/27	2,00,00,000/–
5	10/1 (26) / 2015–पी एंड सी		2019/09/30	33,44,91,894/–
6	342–14 / 1/2019–मा.सं.वि.	गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) तमिलनाडु	2019/05/14	25,50,000/–
7	342–14 / 1/2019–मा.सं.वि.		2019/12/27	16,60,292/–

01.01.2019 से 31.12.2019 तक हरित ऊर्जा कॉरीडोर में 50 लाख से अधिक के राज्य पीआईए को दिया गया अनुदान					
क्र. सं.	स्वीकृति सं.	परियोजना/संगठन का नाम	राज्य	जारी की गई धनराशि	
				दिनांक	राशि (लाख रु. में)
1	1/7/2015–ईएफएम	गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन	गुजरात	27.02.2019	6839.00
2	367–11 / 1/2019–जीईसी	महाराष्ट्र इलेक्ट्रिसीटी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	महाराष्ट्र	28.02.2019	3556.59
3	367–11 / 1/2019–जीईसी	महाराष्ट्र इलेक्ट्रिसीटी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	महाराष्ट्र	08.05.2019	611.20
4	367–11 / 26/2017–जीईसी	हिमाचल प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	हिमाचल प्रदेश	26.09.2019	2060.00
5	1/7/2015– ईएफएम	ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ऑफ आंध्र प्रदेश लिमिटेड	आंध्र प्रदेश	26.09.2019	2433.96
	कुल (क)				**15500.75**

01.01.2019 से 31.12.2019 तक हरित ऊर्जा कॉरीडोर में 50 लाख से अधिक के राज्य पीआईए को दिया गया अनुदान					
क्र. सं.	स्वीकृति सं.	परियोजना/संगठन का नाम	राज्य	जारी की गई धनराशि	
				दिनांक	राशि (लाख रु. में)
1	367–11 / 26/2017–जीईसी	हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	हिमाचल प्रदेश		155.84
	कुल (ख)				**155.84**
	कुल (क) + (ख)				**15656.59**

दिनांक 31.10.2019 की स्थिति के अनुसार सौर पार्क योजना के तहत सेकी द्वारा विभिन्न सौर विद्युत पार्क डेवलपर्स (एसपीपीडी), राज्य पारेषण यूटिलिटि (एसटीयू) और केंद्रीय पारेषण यूटिलिटि(सीटीयू) को जारी किया गया सीएफए ।

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	राज्य	सौर पार्क	जारी किया गया कुल सीएफए
1	आंध्र प्रदेश	अनंतापुरमु–I सौर पार्क	13525.00
2		कुरनूल सौर पार्क	12625.00
3		कडप्पा सौर पार्क	5425.00
4		अनंतापुरमु – II सौर पार्क	5124.80
5		हाइब्रिड सौर पवन पार्क	25.00
6		एक्स ट्रांस पीजीसीआईएल–एपी–I सौर पार्क	10955.54
7		एक्स ट्रांस एपीटीआरएएनसीओ–एपी II सौर पार्क	2000.00
8		एक्स ट्रांस एपीटीआरएएनसीओ दृकुरनूल सौर पार्क	7400.00
9	अरुणाचल प्रदेश	लेहित सौर पार्क	19.65
10	छतीसगढ़	राजनन्दगाँव सौर पार्क	15.00
11	गुजरात	राधंसदा सौर पार्क	3311.35
12		एक्स ट्रांस पीजीसीआईएल–राधनेसादा सौर पार्क	2800.00
13	कर्नाटक	पवागड़ा सौर पार्क	18525.44
14		एक्स ट्रांस पीजीसीआईएल–पवागड़ा सौर पार्क	12000.00
15	केरल	कासरगोड सौर पार्क	200.00
16	मध्य प्रदेश	रीवा सौर पार्क	7633.51
17		नीमच–मंदसौर सौर पार्क	2548.50
18		एक्स ट्रांस पीजीसीआईएल–रीवा सौर पार्क	6000.00
19	महाराष्ट्र	साई गुरु सौर पार्क (प्रगत)	435.00
20		पटोदा सौर पार्क (पेरामाउंट)	25.00
21		डोंडीचा सौर पार्क	625.00
22		लातूर सौर पार्क	10.00
23		वशिम सौर पार्क	15.00
24		यवतमाल सौर पार्क	10.00
25		कचरला सौर पार्क	15.00
26	मणिपुर	बुकपी सौर पार्क	10.00
27	मेघालय	मेघालय सौर पार्क	3.07
28	मिजोरम	वैंकल सौर पार्क	10.00

29	नागालैंड	नागालैंड सौर पार्क	10.00
30	राजस्थान	भादला–II सौर पार्क	6120.00
31		भादला– III सौर पार्क	9614.16
32		भादला– IV सौर पार्क	5125.00
33		फलोदी–पोकरण सौर पार्क	1825.00
34		फतेहगढ़ फेज –1 बी सौर पार्क	25.00
35		नोख सौर पार्क	25.00
36		आरवीपीएन (बीएच–II, बीएच–III, बीएच–IV सौर पार्क)	10747.10
37		पीजीसीआईएल (बीएच–II, बीएच–III, बीएच–IV, फलोदी– पोखरण, फतेहगढ़ फेज–आई बी सौर पार्क)	6000.00
38	तमिलनाडु	तमिलनाडु	25.00
39	तेलंगाना	तेलंगाना	25.00
40	उत्तर प्रदेश	उत्तरप्रदेश सौर पार्क	2081.80
41		एक्स ट्रांस यूपीपीटीसीएल–यूपी सौर पार्क	1719.15
42	उत्तराखंड	सौर पार्क उत्तराखंड	8.25
43	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल मे सौर पार्क	25.00
कुल			**154667.32**

दिनांक 01.01.2019 से 31.12.2019 तक सेकी को 750 मेगावाट, 2000 मेगावाट, 5000 मेगावाट वीजीएफ योजना, सौर डेमो जीबीआई योजना और आरपीपीएसजीपी योजना के तहत जारी धनराशि

750 मेगावाट की वीजीएफ योजना				
क्र. सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	राशि (रु.)
1	फा. सं. 32/7/2017–सोलर एनर्जी ग्रुप	सेकी	28/09/2019	111,56,03,315/–

2000 मेगावाट की वीजीएफ योजना				
क्र.सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	राशि (रु.)
1	फा. सं. 283/70/2017–ग्रिड सोलर	सेकी	29/06/2019	131,67,20,059/–
2	फा. सं. 283/70/2017–ग्रिड सोलर	सेकी	31/12/2019	110,70,87,644/–

5000 मेगावाट की वीजीएफ योजना				
क्र.सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	राशि (रु.)
1	फा. सं 283/69/2017– ग्रिड सोलर पार्ट–1	सेकी	29/06/2019	95,13,11,288/–

आरपीएसएसजीपी योजना				
क्र.सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	राशि (रु.)
1	फा. सं. 32/6/2017–सोलर एनर्जी ग्रुप	इरेडा	30/03/2019	13,42,31,062/–
2	फा. सं. 32/6/2017–सोलर एनर्जी ग्रुप	इरेडा	29/06/2019	75,89,76,504/–
3	फा. सं. 32/6/2017–सोलर एनर्जी ग्रुप	इरेडा	27/09/2019	15,66,16,656/–

सौर डेमो जीबीआई वीजीएफ योजना				
क्र.सं.	स्वीकृत संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	राशि (रु.)
1	283/61/2018–ग्रिड सोलर	इरेडा	28/09/2019	10,58,57,200/–

क. नहर के किनारे और नहरों के ऊपर ग्रिड से जुड़े सौर पीवी बिजली संयंत्र के विकास के लिए प्रायोगिक–सह–प्रदर्शन परियोजना

"नहर के किनारे तथा नहर के ऊपर ग्रिड से जुड़े सौर पीवी विद्युत संयंत्रों के विकास के लिए प्रायोगिक–सह–प्रदर्शन परियोजना" के अंतर्गत वित्त वर्ष 2019–20 में (31 दिसंबर, 2019 तक) जारी धनराशि

- (31 दिसंबर, 2019 तक) : शून्य
- 01.01.2020 से 31.03.2020 तक अपेक्षित रिलीज भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (सेकी) को 27.5 करोड़ रु. (निधियों की उपलब्धता के अधीन)

ख. 'सीपीएसयू योजना चरण–।'

'सीपीएसयू स्कीम फेज –1' के तहत वित्त वर्ष 2019–20 में (31 दिसंबर 2019 तक) जारी धनराशि :

- (31 दिसंबर, 2019 तक) :

क्र. सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	जारी की गई राशि (रु.)
1.	302/3/2017–ग्रिड सौर	सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेकी)	30.09.2019	3,03,00,000/– रु.

- 01.01.2020 से 31.03.2020 जारी/जारी किए जाने के लिए अपेक्षित धनराशि: शून्य

ग. 'सीपीएसयू योजना चरण–।।'

'सीपीएसयू स्कीम फेज –2' के तहत वित्त वर्ष 2019–20 में (31 दिसंबर , 2019 तक) जारी धनराशि :

- (31 दिसंबर, 2019 तक) :

क्र. सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	जारी की गई राशि (रु.)
1.	302/4/2017–ग्रिड सौर	सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेकी)	30.09.2019	319,18,03,402/–

- 01–01–2020 से 31–03–2020 तक जारी / अपेक्षित धनराशिः शून्य

घ. अंडमान और निकोबार व लक्षद्वीप समूह में एमएनआरई से पूंजीगत सब्सिडी के साथ डिस्ट्रीब्यूटेड ग्रिड से जुड़े सौर पीवी बिजली परियोजनाओं की स्थापना के लिए योजना

अंडमान और निकोबार तथा लक्ष्यद्वीप समूह में एमएनआरई से पूंजीगत सब्सिडी के साथ डिस्ट्रीब्यूटेड ग्रिड से जुड़े सौर पीवी बिजली परियोजनाओं की स्थापना के लिए वित्त वर्ष 2019–20 में जारी की गई धनराशि :

- (31 दिसंबर , 2019 तक) :

क्र.सं.	स्वीकृति संख्या	एजेंसी का नाम	मंजूरी की तारीख	जारी की गई राशि (रु.)
1.	सं.283/109/2018–ग्रिड सोलर	एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल)	10.10.2019	6,77,24,832/–

- 01.01.2020 से 31.03.2020 तक जारी/जारी किये जाने के लिए अपेक्षित राशिः शून्य

50 लाख रु. से अधिक की सोलर फोटोवोल्टेक (ऑफ–ग्रिड सौर प्रभाग) निधि – 31.12.2019 तक

क्र. सं.	स्वीकृति सं.	प्रोजेक्ट / संगठन का नाम	राज्य	जारी धनराशि	
				दिनांक	धनराशि (रु. में)
1	32/90/2017–एसपीवी डिवीजन	मणिपुर अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	मणिपुर	2019–07–05	70,22,600
2	32/271/2017–एसपीवी डिवीजन	उड़ीसा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	ओडिशा	2019–10–05	78,73,875
3	32/81/2017–एसपीवी डिवीजन	उड़ीसा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	ओडिशा	2019–10–05	79,24,000
4	32/659/2017–एसपीवी डिवीजन	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लि	राजस्थान	2019–10–05	83,71,853
5	32/25/2018–एसपीवी डिवीजन	उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी	उत्तर प्रदेश	2019–10–05	5,47,04,975
6	32/25/2018–एसपीवी डिवीजन	उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी	उत्तर प्रदेश	2019–10–05	12,11,25,750
7	32/25/2018–एसपीवी डिवीजन	उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी	उत्तर प्रदेश	2019–10–05	27,58,44,275
8	32/4/2019–एसपीवी डिवीजन	कर्नाटक अक्षय ऊर्जा विकास लिमिटेड	कर्नाटक	16–05–2019	1,35,90,012
9	32/4/2019–एसपीवी डिवीजन	कर्नाटक अक्षय ऊर्जा विकास लिमिटेड	कर्नाटक	16–05–2019	2,04,12,000
10	32/5/2019–एसपीवी डिवीजन	महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी	महाराष्ट्र	16–05–2019	3,76,42,500

11	32/5/2019–एसपीवी डिवीजन	महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी	महाराष्ट्र	16–05–2019	3,76,42,500
12	32/4/2019–एसपीवी डिवीजन	कर्नाटक अक्षय ऊर्जा विकास लिमिटेड	कर्नाटक	16–05–2019	4,56,84,000
13	32/5/2019–एसपीवी डिवीजन	महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी	महाराष्ट्र	16–05–2019	6,00,00,000
14	32/83/2017–एसपीवी डिवीजन	उड़ीसा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	ओडिशा	16–05–2019	6,28,48,380
15	32/7/2018–एसपीवी डिवीजन	आंध्र प्रदेश लिमिटेड का नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम	आंध्र प्रदेश	27–05–2019	51,97,261
16	32/12/2018–एसपीवी डिवीजन	अरुणाचल प्रदेश ऊर्जा विकास एजेंसी	अरुणाचल प्रदेश	26–06–2019	2,83,06,080
17	32/39/2018–एसपीवी डिवीजन	नागालैंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	नगालैंड	26–06–2019	4,90,01,349
18	32/31/218–एसपीवी डिवीजन	झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	झारखंड	27–06–2019	53,80,000
19	32/8/2019–एसपीवी डिवीजन	असम ऊर्जा विकास एजेंसी	असम	27–06–2019	84,36,030
20	32/31/2018–एसपीवी डिवीजन	झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	झारखंड	27–06–2019	1,88,30,000
21	32/652/2017–एसपीवी डिवीजन	पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी	पंजाब	27–06–2019	7,12,68,900
22	32/644/2017–एसपीवी डिवीजन	नागालैंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	नगालैंड	29–06–2019	2,21,50,500
23	32/27/2016–17/ पीवीएसई (भाग द्वितीय)	त्रिपुरा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	त्रिपुरा	29–06–2019	2,24,85,120
24	32/132/2017–एसपीवी डिवीजन	झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	झारखंड	2019–02–09	2,56,83,904
25	32/542/2017–एसपीवी डिवीजन	जोरम ऊर्जा विकास एजेंसी	मिजोरम	27–09–2019	89,73,616
26	32/20/2016–17–एसपीवी डिवीजन (पासट –5)	जोरम ऊर्जा विकास एजेंसी	मिजोरम	27–09–2019	1,70,02,763
27	32/62/2017/एसपीवी डिवीजन	उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	उत्तराखण्ड	28–09–2019	79,97,908
28	32/62/2018–एसपीवी डिवीजन	उड़ीसा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	ओडिशा	28–09–2019	2,30,31,625
29	32/64/2018–एसपीवी डिवीजन	कर्नाटक अक्षय ऊर्जा विकास लिमिटेड	कर्नाटक	30–09–2019	1,62,50,000

30	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	अरुणाचल प्रदेश ऊर्जा विकास एजेंसी	अरुणाचल प्रदेश	30–09–2019	1,98,00,000
31	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	असम ऊर्जा विकास एजेंसी	असम	30–09–2019	2,30,02,000
32	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	त्रिपुरा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	त्रिपुरा	30–09–2019	2,97,00,000
33	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	नागालैंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	नगालैंड	30–09–2019	5,71,58,000
34	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	त्रिपुरा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	त्रिपुरा	30–09–2019	6,78,78,000
35	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	हिमाचल प्रदेश ऊर्जा विकास एजेंसी	हिमाचल प्रदेश	30–09–2019	8,08,77,000
36	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	उत्तराखण्ड	30–09–2019	9,33,60,000
37	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	मणिपुर अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी	मणिपुर	30–09–2019	11,05,00,000
38	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	जोरम ऊर्जा विकास एजेंसी	मिजोरम	30–09–2019	11,37,60,000
39	32/60/2018–एसपीवी डिविसिन	अरुणाचल प्रदेश ऊर्जा विकास एजेंसी	अरुणाचल प्रदेश	30–09–2019	11,86,20,000
40	32/60/2018–एसपीवी डिवीजन	असम ऊर्जा विकास एजेंसी	असम	30–09–2019	12,05,25,000
41	32/5/2019–एसपीवी डिवीजन	महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी	महाराष्ट्र	30–09–2019	21,23,79,800
42	42/19/2018–एसपीवी डिवीजन	भारत पर्यटन विकास निगम	नई दिल्ली	26–11–2019	85,37,054
43	32/61/2018–एसपीवी डिवीजन	यूएम ग्रीन लाइटिंग प्रा. लिमिटेड	बैंगलोर	2019–06–12	75,85,713
44	32/–16/2017–18/ पीवीएसई (भाग– I)	एमपी उर्जा विकास लि., भोपाल	मध्य प्रदेश	26–12–2019	18,74,99,498
45	32/27/2019/एसपीवी डिवीजन	जोरम ऊर्जा विकास एजेंसी	मिजोरम	30–12–2019	1,26,00,000
46	32/29/2019–एसपीवी डिवीजन	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम लि., आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश	30–12–2019	2,18,00,000
47	32/652/2017–एसपीवी डिवीजन	पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी	पंजाब	31–12–2019	5,09,90,130
48	32/659/2017–एसपीवी डिवीजन	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लि.	राजस्थान	31–12–2019	17,89,83,115

वर्ष 2019–20 (31.12.2019 तक) के दौरान 50.00 लाख रु. से अधिक अनुदान प्राप्त निजी, स्वैच्छिक संगठन और राज्य पीआईए।

(क) राज्य परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियां –

क्र. सं.	स्वीकृति सं.	परियोजना / संगठन	राज्य	संगठन / एजेंसी	जारी की गई राशि		अभियुक्तियां
					दिनांक	(लाख रु. में)	
1	286 / 55 / 2017–एसएचपी	सौराष्ट्र कैनाल ब्रांच पर 3 नई एसएचपी परियोजनाओं की स्थापना: i. एसएचपी–1 (15 मेगावाट) ii. एसएचपी–2 (15 मेगावाट) iii. एसएचपी–3 (15 मेगावाट)	गुजरात	सरदार सरोवर नर्मदा निगम लि. (एसएसएनएनएल) गुजरात	28.06.2019	600.00	तीसरी किस्त की शेष राशि जारी
2	286 / 23 / 2017–एसएचपी	कच्छ ब्रांच कैनाल पर 3 एसएचपी परियोजना की स्थापना : i. एसएचपी –I (9.99 मेगावाट) ii. एसएचपी –II (6.66 मेगावाट) iii. एसएचपी –III (6.66 मेगावाट)	गुजरात	(एसएसएनएनएल), गुजरात	30.08.2019	2100.00	तीसरी किस्त जारी
3	6 / 4 / 2015–एसएचपी	गुजरात में मिग्यम ब्रांच कैनाल पर कुल 12 मेगावाट की क्षमता वाले 6 एसएचपी की स्थापना	गुजरात	(एसएसएनएनएल), गुजरात	27.12.2019	1942.50	दुसरे और तीसरे दोनों का भाग किस्त जारी
4	286 / 1 / 2017–एसएचपी	अपर कल्लार (2 मेगावाट) एसएचपी	केरल	केएसईबीएल	27.09.2019	210.00	दूसरी किस्त जारी
5	290 / 53 / 2017–एसएचपी	कर्नाटक में 233 वॉटरमिल का विकास और उन्नयन।	कर्नाटक	कर्नाटक रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट लिमिटेड (केआरई डीएल), कर्नाटक	24.10.2019	159.45	दूसरा और अंतिम किस्त जारी
6	3(70)(2)2008 (वाल्यूम II)–एसएचपी	संस्थापना i. किडिंग एसएचपी (0.5 मेगावाट) ii. पायू एसएचपी (1 मेगावाट) की स्थापना	अरुणाचल प्रदेश	जल विद्युत विकास विभाग	12.12.2019	345.49	अंतिम किस्त जारी
7	286 / 7 / 2017–एसएचपी	डुनाओ एसएचपी (1.50 मेगावाट)	उत्तराखंड	यूजेवीएनएल उत्तराखंड	28.09.2017	52.50	चौथा और अंतिम किस्त जारी
		कुल				**5409.94**	

(ख) निजी क्षेत्र –

1	287 / 95 / 2017– एसएचपी	लियोंड एसएचपी	हिमाचल प्रदेश	मेसर्स लियोन हाइड्रो पावर प्रा. लिमिटेड	12.04.2019	150.00	सब्सिडी की दूसरी और अंतिम किस्त जारी ।
2	287 / 7 / 2017– एसएचपी	सेरई, एसएचपी (2मेगावाट)	हिमाचल प्रदेश	मेसर्स पिनेकल हाइड्रो प्रा. लिमिटेड	17.10.2019	105.00	सब्सिडी की दूसरी और अंतिम किस्त जारी ।
3	287 / 4 / 2018– एसएचपी	सरजू–III एसएचपी (9.0 मेगावाट)	उत्तराखंड	मेसर्स उत्तर भारत हाइड्रो पावर प्रा. लिमिटेड	29.08.2019	197.50	सब्सिडी की दूसरी और अंतिम किस्त जारी ।
4	287 / 170 / 2017– एसएचपी	वनाला एसएचपी (15 मेगावाट)	उत्तराखंड	मैसर्स हिमुर्जा प्रा. लिमिटेड	13.09.2019	620.00	अंतिम सब्सिडी जारी
5	287 / 44 / 2017– एसएचपी	सरजू–II एसएचपी (10.5 मेगावाट)	उत्तराखंड	मेसर्स उत्तर भारत हाइड्रो पावर प्रा. लिमिटेड	06.12.2019	185.00	पात्र सब्सिडी की दूसरी किस्त का भाग जारी।
6	287 / 4 / 2018– एसएचपी	येतीहोल एसएचपी (3.0 मेगावाट)	कर्नाटक	मैसर्स मैसूर मर्कैंटाइल कंपनी लिमिटेड	12.09.2019	80.00	सब्सिडी की दूसरी और अंतिम किस्त जारी ।
कुल						**1337.50**	

वर्ष 2019 में "औद्योगिक, संस्थागत और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में सामुदायिक खाना पकाने, प्रोसेस हीट और स्पेस हीटिंग और शीतलन अनुप्रयोगों के लिए ऑफ–ग्रिड और विकेंद्रीकृत केंद्रित सौर थर्मल (सीएसटी) प्रौद्योगिकियों" कार्यक्रम के तहत कार्यान्वयन एजेंसियों को जारी की गई धनराशि।

क्र. सं.	स्वीकृत राशि	एजेंसी का नाम	जारी करने की तारीख	राशि (रु.)
1.	271 / 97 / 2017–सीएसटी	विद्या डेयरी	20.01.2019	13,68,000
2.	271 / 138 / 2017–सीएसटी	एलआरईडीए	29.03.2019	3,62,02,500
3.	271 / 138 / 2017–सीएसटी	केआरईडीए, कारगिल	25.04.2019	75,17,759
4.	271 / 8 / 2019–सीएसटी	मेसर्स अल्ट्रा कंजर्वेशन प्रा. लिमिटेड	28.08.2019	13,30,560
5.	271 / 1 / 2019–सीएसटी	मेसर्स मेगावाट सोल्युशंस	13.11.2019	22,80,000
6.	271 / 2 / 2018–सीएसटी	सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय	20.11.2019	16,52,000
7.	271 / 3 / 2019–सीएसटी	मेसर्स मेगावाट सोल्युशंस	26.11.2019	11,40,000
8.	271 / 138 / 2017–सीएसटी	केआरईडीए, कारगिल	12.06.2019	3,38,32,781

वर्ष 2019 में ग्रिड संबद्ध रूफ टॉप सौर फोटोवोल्टाइक कार्यक्रम के तहत एजेंसी–वार जारी की गई धनराशि			
क्र. सं.	स्वीकृति संख्या	धनराशि (रुपए में)	एजेंसी का नाम
1	318/69/2019–ग्रिड संबद्ध रूफ टॉप	3,33,62,640.00	मध्य गुजरात वीज क० लिमिटेड–एमजीवीसीएल–[एमजीवीसीएल]
2	318/20/2018–ग्रिडसंबद्ध रूफ टॉप–भाग(2)	12,10,38,042.00	गुजरात एनेर्जी डेवलपमेंट एजेंसी– [जीईडीए]
3	318/65/2019–जीसीआरटी	1,32,50,000.00	एनएचपीसी लिमिटेड – [एनएचपीसी]
4	318/23/2019–जीसीआरटी	1,45,44,000.00	एनटीपीसी विद्युत व्यापार कॉर्पोरेशन लि.– [एनवीवीएन]
5	318/234/2017–जीसीआरटी	78,84,45,653.00	भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड– [सेकी]
6	318/82/2017–जीसीआरटी	1,48,65,000.00	पीईसी लिमिटेड– [पीईसी लिमिटेड]
7	318/19/2019–जीसीआरटी	2,52,00,000.00	मणिपुर रेन्युएबल डेवलपमेंट एजेंसी (मनीरेडा) – [मनीरेडा]
8	318/15/2019–जीसीआरटी	4,72,66,687.00	इंडिया एसएमई टेक्नोलोजी लिमिटेड– [डीएलएनई 00000933]
9	318/30/2017–जीसीआरटी	7,66,78,350.00	उत्तराखंड रेन्युएबल डेवलपमेंट एजेंसी (यूआरईए) – [यूआरईए / 2521387]
10	318/62/2019–ग्रिड संबद्ध रूफ टॉप	20,23,33,034.00	तेलंगाना न्यू एंड रेन्युएबल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड– [टीएनआरईडीसीएल]
11	318/57/2019–ग्रिड संबद्ध रूफ टॉप	5,49,63,369.00	पंजाब एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी– [पीईडीए]
12	318/71/2019–ग्रिड संबद्ध रूफ टॉप	52,87,08,581.00	गुजरात एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी– [जीईडीए]
13	318/69/2019–ग्रिड संबद्ध रूफ टॉप	3,33,62,640.00	साउथ गुजरात कंपनी लिमिटेड – डीजीवीसीएल– [डीजीवीसीएल]
14	318/67/2017–ग्रिड संबद्ध रूफ टॉप	36,89,501.00	मणिपुर रेन्युएबल डेवलपमेंट एजेंसी (मनीरेडा) – [मनीरेडा]
15	318/28/2019–जीसीआरटी	3,46,50,000.00	मेघालय नॉन कन्वेंसनल एंड रुरल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी [एमएनआरईडीए]
16	318/46/2019–जीसीआरटी	2,29,50,000.00	झारखंड रेन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी– [जेआरईडीए]
17	318/4/2017–जीसीआरटी	5,40,43,020.00	पश्चिम बंगाल रेन्युएबल डेवलपमेंट एजेंसी– [डबल्यूबीआरईडीए]
18	318/19/2019–जीसीआरटी	1,26,00,000.00	मणिपुर रेन्युएबल डेवलपमेंट एजेंसी (मनीरेडा) – [मनीरेडा]
19	318/33/2018–जीसीआरटी	13,05,98,413.00	हरियाणा रेन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी– [एचएआरईडीए]
20	318/90/2018–जीसीआरटी	6,52,99,013.00	जम्मू और कश्मीर एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी– [जेएकेईडीए]
21	318/343/2017–जीसीआरटी	2,82,51,405.00	पश्चिम बंगाल रेन्युएबल डेवलपमेंट एजेंसी– [डबल्यूबीआरईडीए]
22	318/7/2019–जीसीआरटी	2,47,03,319.00	भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड– [सेकी]
23	318/35/2018–जीसीआरटी	3,97,62,565.00	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि. [आईओसीआरएएनडीडी]
24	318/23/2019–जीसीआरटी	2,53,61,417.00	एनटीपीसी विद्युत व्यापार कॉर्पोरेशन लि.– [एनवीवीएन]
25	318/14/2018–जीसीआरटी	2,66,89,727.00	छत्तीसगढ़ स्टेट रेन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी– [सीआरईडीए]
26	318/1/2019–जीसीआरटी	4,98,10,800.00	सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लि.– [सीईएलटी]
27	318/27/2019–जीसीआरटी	9,24,00,000.00	असम एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी–[एईडीए]
28	318/38/2019–जीसीआरटी	5,14,80,218.00	पश्चिम बंगाल रेन्युएबल डेवलपमेंट एजेंसी– [डबल्यूबीआरईडीए]

कार्यान्वयन एजेंसियों (राज्य नोडल एजेंसी, राज्य नोडल विभाग, केवीआईसी, एनडीडीबी आणंद गुजरात इत्यादि) को नवीन राष्ट्रीय बॉयोगैस जैविक खाद कार्यक्रम (एनएनबीओएमपी) और बॉयोगैस विद्युत (ऑफ–ग्रिड) उत्पादन तथा तापीय कार्यक्रम (बीपीजीटीपी) के तहत वित्त वर्ष 2019–20 के लिए दिनांक 15.01.2020 तक जारी की गई धनराशि

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसी	स्वीकृति	स्वीकृति की तिथि	एमएनआरई द्वारा दिनांक 15.01.2020 तक जारी धनराशि
1	एनएनबीओएमपी	एनईडीसीएपी, आंध्र प्रदेश	253/29/2019–बीजी	28.08.2019	1,50,00,000
2	एनएनबीओएमपी	एनईडीसीएपी, आंध्र प्रदेश	253/44/2019–बीजी	28.06.2019	24,41,000
3	एनएनबीओएमपी	एमपीएसएआईडीसी, मध्य प्रदेश	253/25/2019–बीजी	26.08.2019	2,40,00,000
4	एनएनबीओएमपी	एमपीएसएआईडीसी, मध्य प्रदेश	253/27/2019–बीजी	05.09.2019	48,00,000
5	एनएनबीओएमपी	एमपीएसएआईडीसी, मध्य प्रदेश	253/28/2019–बीजी	04.09.2019	60,00,000
6	एनएनबीओएमपी	एमपीएसएआईडीसी, मध्य प्रदेश	253/24/2019–बीजी	31.07.2019	51,07,500
7	एनएनबीओएमपी	डायरेक्टर ऑफ एग्रीकल्चर, केरल	253/37/2019–बीजी	27.09.2019	60,00,000
8	एनएनबीओएमपी	ओआरईडीए, भुवनेश्वर	253/44/2019–बीजी	27.09.2019	48,00,000
9	एनएनबीओएमपी	आरडी एंड पीआरडी कर्नाटक	253/29/2019–बीजी	05.09.2019	3,60,00,000
10	एनएनबीओएमपी	आरडी एंड पीआरडी कर्नाटक	253/35/2019–बीजी	30.09.2019	6,84,000
11	एनएनबीओएमपी	आरडीडी महाराष्ट्र	253/34/2019–बीजी	27.09.2019	3,90,00,000
12	एनएनबीओएमपी	आरडीडी महाराष्ट्र	253/36/2018–बीजी	28.06.2019	90,00,000
13	एनएनबीओएमपी	आरडीडी महाराष्ट्र	253/34/2018–बीजी	28.06.2019	60,00,000
14	एनएनबीओएमपी	टीआरईडीए, त्रिपुरा	253/33/2019–बीजी	05.09.2019	10,00,000
15	एनएनबीओएमपी	टीआरईडीए, त्रिपुरा	253/45/2019–बीजी	25.11.2019	20,00,000
16	एनएनबीओएमपी	टीआरईडीए, त्रिपुरा	253/47/2019–बीजी	19.11.2019	3,65,000
17	एनएनबीओएमपी	पीईडीए, पंजाब	253/36/2019–बीजी	30.09.2019	2,40,00,000
18	एनएनबीओएमपी	यूआरईडीए, उत्तराखंड	253/5/2019–बीजी	29.06.2019	24,00,000
19	एनएनबीओएमपी	यूआरईडीए, उत्तराखंड	253/65/2019–बीजी	08.06.2019	67,20,000
20	एनएनबीओएमपी	यूआरईडीए, उत्तराखंड	253/4/2019–बीजी	29.06.2019	6,00,000
21	एनएनबीओएमपी	यूआरईडीए, उत्तराखंड	253/66/2017–बीजी	29.06.2019	7,40,000
22	एनएनबीओएमपी	यूआरईडीए, देहरादून उत्तराखंड	253/57/2019–बीजी	26.12.2019	6,00,000
23	एनएनबीओएमपी	आरडीडी, पौड़ी, उत्तराखंड	253/53/2019–बीजी	10.12.2019	36,00,000
24	एनएनबीओएमपी	आरडीडी, पौड़ी, उत्तराखंड	253/54/2019–बीजी	12.12.2019	6,00,000

25	एनएनबीओएमपी	आरडीडी, पौड़ी, उत्तराखंड	253/55/2019–बीजी	10.12.2019	6,00,000
26	एनएनबीओएमपी	बीडीटीसी, पीएयू, लुधियाना	253/17/2019–बीजी	28.06.2019	20,74,687
27	एनएनबीओएमपी	बीडीटीसी, यूएएस, बंगलौर	256/4/2019–बीजी	08.05.2019	2,83,155
28	एनएनबीओएमपी	बीडीटीसी, सीईएसआर, इंदौर	256/2/2019–बीजी	29.05.2019	10,00,000
29	एनएनबीओएमपी	केवीआईसी, मुंबई	253/8/2017–बीजी	27.09.2019	13,17,650
30	एनएनबीओएमपी	एनडीडीबी, आणंद, गुजरात	253/46/2019–बीजी	16.10.2019	1,80,00,000
31	एनएनबीओएमपी	एनडीडीबी, आणंद, गुजरात	253/48/2019–बीजी	26.11.2019	30,00,000
32	एनएनबीओएमपी	एनडीडीबी, आणंद, गुजरात	253/49/2019–बीजी	27.11.2019	30,00,000
33	एनएनबीओएमपी	बीडीटीसी, टीएनएयू, यूएएस, बंगलौर, पीएयू, लुधियाना, सीईएसआर इंदौर	256/8/2019–बीजी	29.07.2019	96,87,808
34	एनएनबीओएमपी	बीडीटीसी, आईआईटी गुवाहाटी, एमपीयूएटी उदयपुर	256/8/2019–बीजी	11.09.2019	41,06,036
35	एनएनबीओएमपी	बीडीटीसी, केआईआईटी	256/8/2019–बीजी	11.09.2019	26,25,224
36	बीपीपी	एमईडीए, महाराष्ट्र	343/14/2017–बीजी	29.05.2019	27,25,000
37	बीपीपी	यूपीएनईडीए, उत्तर प्रदेश	343/10/2019–बीजी	29.08.2019	11,44,000
38	बीपीपी	यूपीएनईडीए, उत्तर प्रदेश	343/9/2017–बीजी	03.09.2019	18,48,000
	कुल				**25,28,69,060**

वर्ष 2019–20 (31.12.2019) के दौरान अनुसंधान और विकास कार्यक्रम के तहत 10 लाख रु. से अधिक लेकिन 50 लाख रुपए से कम अनुदान प्राप्त निजी और स्वैच्छिक संगठन इस प्रकार हैं

क्र. सं.	स्वीकृति सं.	प्रोजेक्ट/संगठन का नाम	राज्य	जारी धनराशि	
				दिनांक	धनराशि (लाख में)
1	07/04/2008–09/एसटी	आरटीसी, इंदौर	मध्य प्रदेश	27.06.2019	26,31,923/–
2	15/27/2016–17/एसटी	सीएसएमसीआरआई	गुजरात	17.07.2019	9,20,000/–
3	10/1/2013–एसएचपी	आईआईटी रुड़की	उत्तर प्रदेश	19.08.2019	4,21,000/–
4	7/1/2009–10/एसटी	आरटीसी मदुरै	तमिलनाडु	30.08.2019	15,45,000/–
5	7/3/2012–13/एसटी	आरटीसी मुरथल	हरियाणा	2019.08.30	14,99,512/–
6	7/5/2008–09/एसटी	आरटीसी स्प्रेरी	गुजरात	20.09.2019	10,26,000/–
7	15/22/2012–13/एसटी	नाइस, गुरुग्राम	हरियाणा	05.11.2019	40,00,000/–
8	07/04/2009–10	आरटीसी, पुणे	महाराष्ट्र	08.11.2019	3,68,000/–

वर्ष 2019–20 (31.12.2019) के दौरान हाइड्रोजन और फ्यूल सेल कार्यक्रम के तहत 10 लाख रु. से अधिक लेकिन 50 लाख रुपए से कम अनुदान प्राप्त निजी और स्वैच्छिक संगठन इस प्रकार हैं		
क्र. सं.	नाम	जारी धनराशि (रु. में)
1.	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर	8000000
2.	विवेकानंद ग्लोबल युनिवर्सिटी	1100000
3.	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी, खडगपुर	900000
4.	एसआरएम युनिवर्सिटी	500000
5.	इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सैन्टर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मेटराइल्स	61500000
6.	इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सैन्टर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मेटराइल्स	17400000
7.	इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सैन्टर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मेटराइल्स	78900000

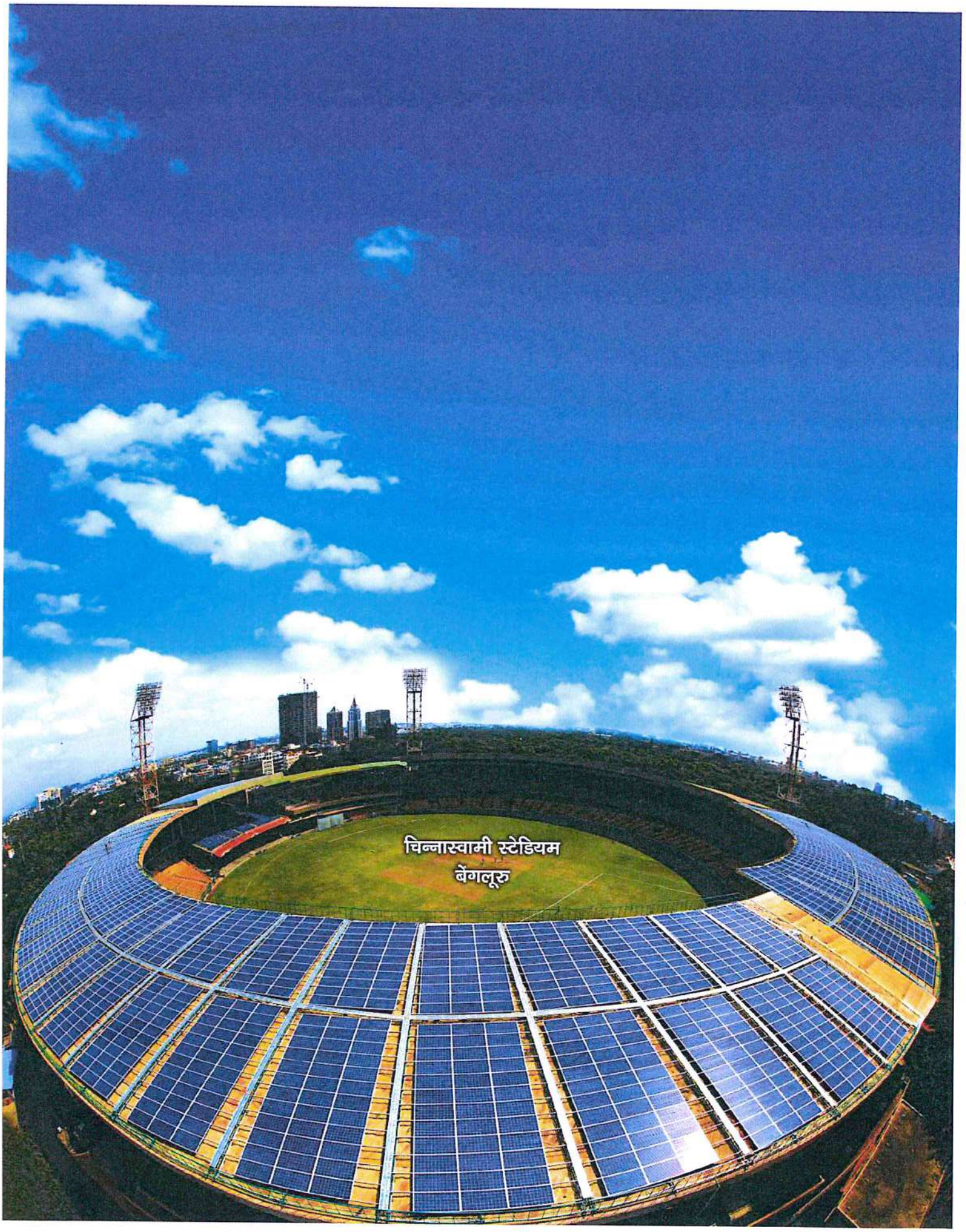
चिन्नास्वामी स्टेडियम
बेंगलूरु

टिप्पणियाँ

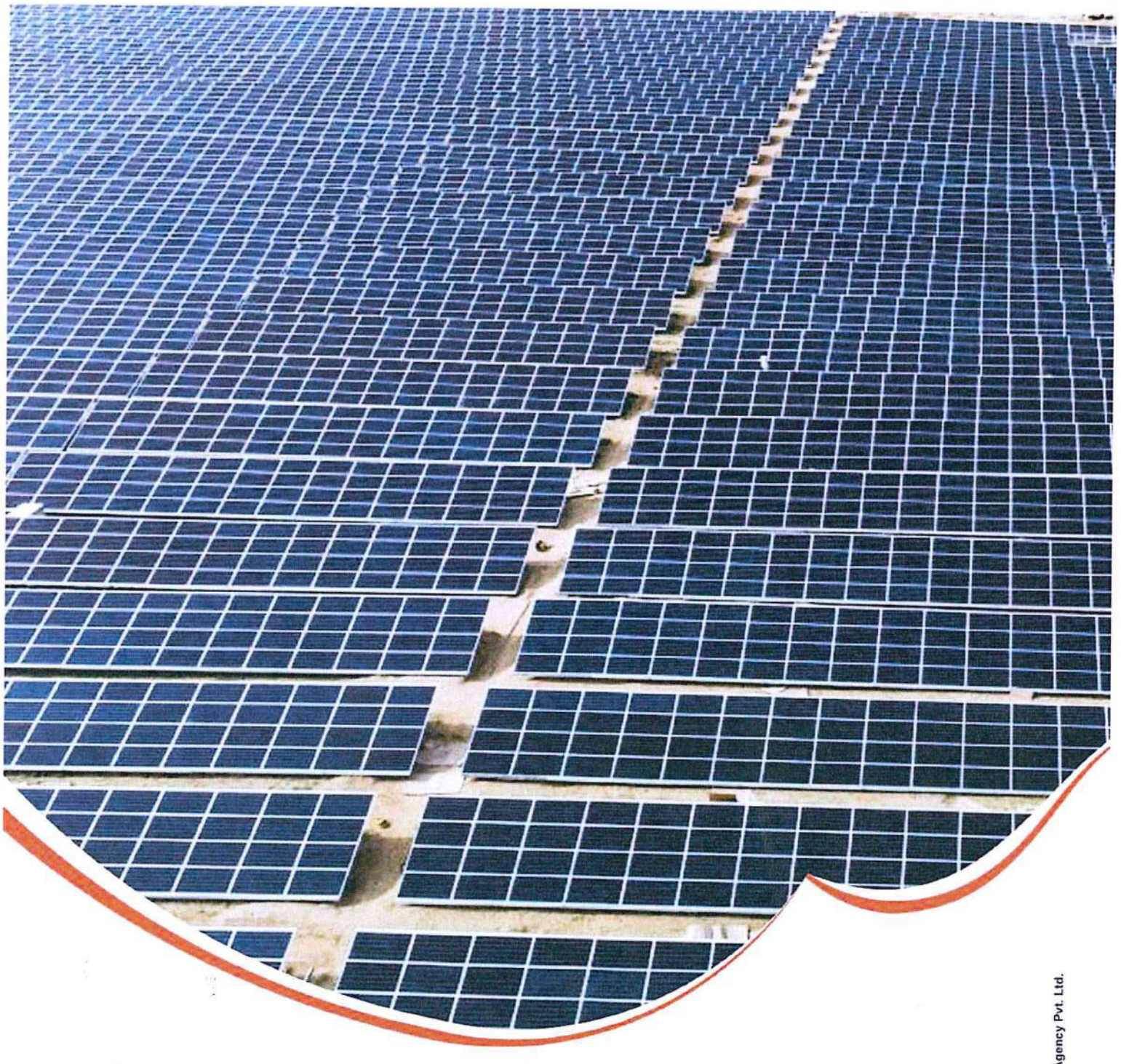

सत्यमेव जयते

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

भारत सरकार

ब्लॉक–14, सी.जी.ओ. परिसर, लोधी रोड, नई दिल्ली–110 003

वेबसाईट : www.mnre.gov.in

Designed and Printed by : Paromita Advertising Agency Pvt. Ltd.
www.paromita.org